

नितिन के ‘नवीन’ टीम का ऐलान

टीम में अनुभव के साथ नयेपन का कॉकटेल

पूर्वी केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की संगठन में एंट्री

नई दिल्ली : बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम का ऐलान हो गया है. इस नई टीम में राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है. इसके अलावा राम माधव की भी बीजेपी वापसी हुई है, उन्हें भी उपाध्यक्ष बनाया गया है. पूर्वी केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भी बीजेपी संगठन में आई हैं. उन्हें राष्ट्रीय महामंत्री बनाया है. उत्तराखंड के पूर्व सीएम तीरथ सिंह रावत को भी बीजेपी उपाध्यक्ष बनाया गया है. ओडिशा के बैजयंत जय पांडा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है.

उम्र के लिहाज से भी पार्टी ने नई टीम में संतुलन साधने का दावा किया है. राष्ट्रीय टीम में ४० साल से कम उम्र के ६, ४० से ४९ साल के १५ और ५० से ५९ साल के २१ नेताओं को जगह दी गई है. माना जा रहा है कि संगठन में ये बदलाव आगामी विधानसभा चुनावों के साथ-साथ २०२९ के लोकसभा चुनाव की रणनीति को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं.

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन



ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय टीम के सभी नवमियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं. अनुभव और ऊर्जा से समृद्ध यह टीम आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में संगठन को नई गति प्रदान करेगी. मुझे पूर्ण विश्वास है कि टीम के सभी सदस्य, कार्यकर्ता भाव से संगठन को और अधिक सशक्त बनाते हुए 'विकसित भारत' के संकल्प और राष्ट्रसेवा के ध्येय को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे.

विनोद तावड़े और सुनील बंसल राष्ट्रीय महासचिव बने रहेंगे, जबकि बीएल संतोष राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) के पद पर बने

रहेंगे. अनिल एंटनी को राष्ट्रीय सचिव के पद पर बनाए रखा गया है, जबकि अनिल बत्नूरी राष्ट्रीय स्तर पर मीडिया से जुड़ी अहम भूमिका निभाते रहेंगे. १३ राष्ट्रीय उपाध्यक्षों में से पांच महिलाएं हैं, लेकिन आठ राष्ट्रीय महासचिवों में स्मृति ईरानी अकेली महिला हैं. केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को बीजेपी का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और राजेश मंगल को राष्ट्रीय संयुक्त कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है. पार्टी ने अपने संगठनात्मक और आउटरीच विंग में भी नियुक्तियों की घोषणा की. संबित पात्रा को नॉर्थ-ईस्ट कोऑर्डिनेटर बनाया गया है, जबकि तरुण चुघ को केंद्रीय कार्यालय का प्रभारी नियुक्त किया गया है. दीपक म्हास्के को बीजेपी

का सोशल मीडिया संयोजक बनाया गया है. उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी नए बनाए गए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं. शिवप्रकाश और सौदान सिंह को राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव (संगठन) नियुक्त किया गया है, जबकि बीएल संतोष राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी संगठन की देखरेख करते रहेंगे. कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता रोहन गुप्ता को बीजेपी का राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है. अनिल एंटनी इसी पद पर बने रहेंगे.

संगठन में किन्हें नहीं मिली दोबारा जगह उपाध्यक्ष : सरोज पांडेय, डीके अरुणा, एम. चुबा आओ, एपी अब्दुल्लाकुट्टी, लक्ष्मीकांत वाजपेयी और लता उर्सेडी

महासचिव : अरुण सिंह, दुष्यंत गौतम, तरुण चुघ और राधामोहन दास अग्रवाल

राष्ट्रीय सचिव : अरविंद मेनन, पंकजा मुंडे, अलका गुर्जर, ओम प्रकाश धुर्वे, नरेंद्र सिंह, रितुराज सिन्हा, कामाख्या प्रसाद ताशा, सुरेंद्र नागर, ओम प्रकाश धनखड़ और मनजिंदर सिंह सिरसा कोषाध्यक्ष : राजेश अग्रवाल, संयुक्त कोषाध्यक्ष: नरेश बंसल, आईटी सेल: अमित मालवीय, मीडिया सेल के सह-संयोजक: संजय मयूख.

रैंपिडो ड्राइवर के खाते से २५ करोड़ का लेन-देन

पटना :पटना साइबर थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए रैंपिडो चालक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. जांच में पुलिस को पता चला है कि ये आरोपी साइबर ठगों को अपना बैंक खाता किराए पर देते थे और हर ट्रान्जेक्शन पर तीन से पांच हजार रुपये कमीशन लेते थे. पुलिस जांच में इनके खातों से लगभग २५ करोड़ रुपये के साइबर ठगी के लेन-देन का खुलासा हुआ है. देश के विभिन्न राज्यों के एनसीआरपी पोर्टल पर इनके खिलाफ शिकायतें दर्ज हैं.

पटना की थानाध्यक्ष संगीता कुमारी ने बताया कि पुलिस ने अंतरराज्यीय साइबर अपराध गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए रैंपिडो चालक प्रभाकर, अमित और दीपक को गिरफ्तार किया है. ये आरोपी साइबर ठगों को अपना बैंक अकाउंट किराये पर देते थे, जिसके जरिए ठगी की रकम ट्रांसफर की जाती थी. पुलिस जांच में इनके खातों से लगभग २५ करोड़ रुपये के साइबर ठगी के लेन-देन का खुलासा हुआ है. पटना साइबर थाना पुलिस की जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी साइबर ठगों के सिंडिकेट में प्यादे की तरह काम कर रहे थे. आरोपी रैंपिडो चालक अवैध कमाई के लालच में साइबर अपराधियों को अपने बैंक खाते किराए पर उपलब्ध कराते थे.

राहुल गांधी तक पहुंची नाराजगी की बात बंदे मातरम पर विवाद से कांग्रेस में घमासान



नई दिल्ली : स्वतंत्रता दिवस पर नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को लेकर पैदा हुआ विवाद अब एक बड़े राजनीतिक विवाद का रूप ले चुका है. जिसमें कांग्रेस पर राष्ट्रीय गीत का अपमान करने के आरोप लगाए जा रहे हैं. १५ अगस्त को आयोजित कार्यक्रम के दौरान बनी इस स्थिति के पीछे आयोजन की जिम्मेदारी संभाल रहे प्रोटोकॉल अधिकारियों के बीच खराब समन्वय और संवाद को वजह माना जा रहा है.

एक सीनियर नेता के अनुसार, कार्यक्रम से कुछ दिन पहले जयराम रमेश और कांग्रेस अध्यक्ष के कार्यालय के बीच वंदे मातरम को लेकर बातचीत हुई थी. इस दौरान चर्चा हुई थी कि कानून पारित होने के बाद राष्ट्रीय गीत को पूरा गाया जाना चाहिए.हालांकि, ऐसा लगता है कि यह जानकारी कांग्रेस के शीर्ष तीन नेताओं मल्लिकार्जुन खड्गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी तक नहीं पहुंचाई गई. इसी वजह से कार्यक्रम के दौरान तीनों नेता इस स्थिति के लिए तैयार नहीं थे. पूर्व भारतीय युवा कांग्रेस अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास को हाल ही में सेवा

दल का प्रमुख नियुक्त किया गया है और वे इस जिम्मेदारी में अपेक्षाकृत नए हैं. कार्यक्रम के दौरान पूर्व सेवा दल प्रमुख लालजी देसाई को सोनिया गांधी से बात करते हुए देखा गया. इसी दौरान वंदे मातरम का गायन तीसरे अंतरे तक जारी रहा और सोनिया गांधी इशारा करती नजर आई.

आजतक को यह भी पता चला है कि कार्यक्रम से एक दिन पहले आयोजन के क्रम और पूरे इवेंट फ्लो की रिवर्सल भी की गई थी. हालांकि, नेताओं को कार्यक्रम के अहम विवरण और क्रम में हुए बदलावों के बारे में जानकारी नहीं दी गई. प्रोटोकॉल के अनुसार, प्रशासनिक अधिकारी मनीष चतरथ इंदिरा भवन में इस तरह के कार्यक्रमों को सुचारु रूप से आयोजित कराने के लिए नामित अधिकारी हैं. इंदिरा भवन के सभी मामलों की जिम्मेदारी भी उन्हीं के पास है. जब सोनिया गांधी ने इशारा किया, उस समय मनीष चतरथ भी पीछे दिखाई दिए. पार्टी मुख्यालय से जुड़े ऐसे कार्यक्रमों और मामलों की देखरेख कोषाध्यक्ष और महासचिव (संगठन) करते हैं. कोषाध्यक्ष अजय माकन राहुल गांधी के दाईं ओर खड़े थे, जबकि

महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल उस समय केरल में थे.

कांग्रेस के भीतर नाराजगी

घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस के भीतर नाराजगी है, क्योंकि इससे शीर्ष नेतृत्व को अनावश्यक और टाली जा सकने वाली असहज स्थिति का सामना करना पड़ा. एक सूत्र ने इंडिया टुडे को बताया कि राहुल गांधी इस घटना और उन्हें इसकी जानकारी न दिए जाने को लेकर नाराज हैं इसकी जानकारी न दिए जाने से नाराज थे. हालांकि, इस मामले पर उनका रुख क्या था, यह स्पष्ट नहीं है. कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि सोनिया गांधी मल्लिकार्जुन खड्गे के लिए कुर्सी मांग रही थीं. पार्टी का कोई नेता इस मामले पर आधिकारिक रूप से कुछ बोलने को तैयार नहीं था. कांग्रेस नेताओं ने उन सुझावों को भी खारिज किया, जिनमें कहा गया कि सोनिया गांधी ने राष्ट्रीय गीत को लेकर कोई आपत्ति जताई थी. जयराम रमेश ने कहा है कि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की सिफारिश के बाद १९३७ में कांग्रेस कार्य समिति ने वंदे मातरम के पहले दो अंतरे गाने का प्रस्ताव पारित किया था.

बुर्के में हिंदू छात्राओं से कराया डांस!

गोंडा : उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में नॉलेज बीम अकादमी स्कूल में स्वतंत्रता दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था. इस दौरान छात्राओं ने बुर्का पहनकर अलग-अलग गानों पर डांस किया, जिसका वीडियो किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया. विवाद खड़ा होने के बाद स्कूल के प्रबंधक रामकृष्ण मौर्या ने वीडियो जारी कर सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी है. उन्होंने स्पष्ट किया कि डांस करने वाली सभी छात्राएं हिंदू थीं और उनका मकसद सिर्फ मनोरंजन करना था, किसी समुदाय को ठेस पहुंचाना नहीं था.

पुरा मामला खोंडारे थाना क्षेत्र स्थित औसानी बुजुर्ग का है जहां स्वतंत्रता दिवस



का त्यौहार पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा था. इसी क्रम में नॉलेज बीम अकादमी में भी स्वतंत्रता दिवस पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ. कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के बुर्का पहनकर डांस करने

का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया गया. यह वीडियो शाम को तेजी से वायरल होने लगा और चर्चा का विषय बन गया.

वीडियो के तेजी से वायरल होने के बाद

नॉलेज बीम अकादमी के प्रबंधक रामकृष्ण मौर्या ने अपना एक वीडियो संदेश जारी कर अपनी शिकायतें लेकर पंचाल कलेक्ट्रेट पहुंच गई. छात्राओं ने खाने में कीड़े मिलने से लेकर साफ-सफाई और रहने की व्यवस्था तक कई गंभीर आरोप लगाए. इतना ही नहीं, वार्डन के व्यवहार को लेकर भी छात्राओं ने जिला कलेक्टर से शिकायत की मामला कलेक्टर तक पहुंचा तो तत्काल जांच के निर्देश हो गए.

विजन 'यूथफुल' का दिया संदेश

(पृष्ठ १ पर से) प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए. वे देश की नीति-निर्माण प्रक्रिया में अपना योगदान दें. यह समय की मांग है. उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से महिला आरक्षण को जल्द लागू करने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल महिलाओं के सम्मान और अधिकार के इस कदम का श्रेय भी ले सकते हैं, लेकिन उन्हें उनका हक जरूर देना चाहिए. 'दिमागी नक्सल' को पहचानना जरूरी अपने भाषण के दौरान पीएम मोदी ने एक ऐसे शब्द का इस्तेमाल किया, जिस पर राजनीतिक बहस तेज हो सकती है. यह शब्द है 'दिमागी नक्सल'. उन्होंने कहा कि बंदूक वाले नक्सली खत्म होने की कगार पर हैं, लेकिन 'दिमागी नक्सल' अब भी मौके की तलाश में हैं. इन्हें पहचानना होगा, अलग-थलग (आइसोलेट) करना होगा. उन्होंने साफ चेताया कि जंगलों में हथियार उठाने वाले नक्सलियों के खिलाफ तो कड़ी कार्रवाई हो चुकी है, लेकिन वैचारिक स्तर पर चुनौती अभी बाकी है. इसे बिल्कुल भी हल्के में नहीं लेना चाहिए. 'दिमागी नक्सल' का मतलब ऐसे लोगों से है, जो हथियार उठाकर नक्सली गतिविधियों में शामिल नहीं हैं, लेकिन नक्सली या माओवादी विचारधारा का समर्थन करते हैं या उसे आगे बढ़ाते हैं. यह कोई कानूनी या आधिकारिक शब्द नहीं, बल्कि राजनीतिक संदर्भ में इस्तेमाल किया गया शब्द कहा जा रहा है.

बाढ़, जलभराव और हादसों से हाहाकार

(पृष्ठ १ पर से) पाया और नाले में जा गिरा. नाले में पानी का बहाव तेज था, जिसकी वजह से अंकित देखते ही देखते पानी के साथ बह गया. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस को PCR कॉल की गई. सूचना मिलते ही सरिता विहार थाने में तैनात SI रोशन लाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे. वहां अंकित के दोस्त मनीष भी मौजूद थे, जिन्होंने पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी. युवक के नाले में बहने की खबर मिलते ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया. पुलिस ने DDMA की ईस्ट रेस्क्यू टीम और दिल्ली फायर सर्विस की मदद ली. फायर सर्विस की WT-७४ टीम भी मौके पर पहुंची और नाले में युवक की तलाश शुरू की गई. रेस्क्यू टीमों ने नाले के आसपास और पानी के बहाव की दिशा में काफी दूर तक तलाश की, लेकिन लगातार प्रयास के बावजूद अंकित का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है. पानी के तेज बहाव और अंधेरे के कारण रेस्क्यू टीमों को दिक्कत हुई. अभी तक युवक की तलाश लगातार जारी है. पुलिस के मुताबिक, अंकित के साथ उसका दोस्त मनीष भी था. मनीष ने बताया कि दोनों लौट रहे थे. प्रियंका कैप नाले के पास पहुंचने पर अंकित अचानक फिसल गया और तेज बहाव में बह गया. हादसे के बाद से परिवार में चिंता का माहौल है. परिजन लगातार युवक के मिलने का इंतजार कर रहे हैं. फिलहाल पुलिस, फायर सर्विस और DDMA की टीम मिलकर सर्च ऑपरेशन चला रही हैं. नाले में पानी के बहाव और आसपास के इलाकों को ध्यान में रखते हुए तलाश का दायरा बढ़ाया जा रहा है. युवक अभी तक नहीं मिला है और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. प्रशासन की कोशिश है कि जल्द से जल्द अंकित का पता लगाया जा सके.

हॉस्टल में कीड़े वाला खाना, कलेक्ट्रेट पहुंची छात्राएं

सिरौही : राजस्थान के सिरौही जिला मुख्यालय स्थित जनजाति गर्ल्स हॉस्टल की करीब ५० छात्राएं अपनी शिकायतें लेकर पंचाल कलेक्ट्रेट पहुंच गई. छात्राओं ने खाने में कीड़े मिलने से लेकर साफ-सफाई और रहने की व्यवस्था तक कई गंभीर आरोप लगाए. इतना ही नहीं, वार्डन के व्यवहार को लेकर भी छात्राओं ने जिला कलेक्टर से शिकायत की मामला कलेक्टर तक पहुंचा तो तत्काल जांच के निर्देश हो गए.

ये तस्वीरें उस नाराजगी की गवाह हैं, जो जनजाति गर्ल्स हॉस्टल की छात्राओं को अपना हॉस्टल छोड़कर कलेक्ट्रेट तक ले आई. करीब ५० छात्राएं पैदल जिला कलेक्ट्रेट पहुंचीं और अपनी समस्याएं सीधे जिला कलेक्टर रोहिताश सिंह तोमर के सामने रखीं. छात्राओं का आरोप है कि हॉस्टल में लंबे समय से व्यवस्थाएं ठीक नहीं हैं. सबसे बड़ा सवाल हॉस्टल में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता को लेकर है. छात्राओं का कहना है कि कई बार खाने में कीड़े तक मिलने की शिकायत सामने आई है.

छात्राओं की शिकायत सिर्फ खाने तक सीमित नहीं है. साफ-सफाई, रहने की व्यवस्था और दूसरी मूलभूत सुविधाओं को लेकर भी उन्होंने प्रशासन के सामने अपनी परेशानी रखी. छात्राओं का आरोप है कि जब उन्होंने व्यवस्थाओं को लेकर आवाज उठाई, तो वार्डन का व्यवहार भी ठीक नहीं रहा. छात्राओं की शिकायतों को कलेक्टर रोहिताश सिंह तोमर ने गंभीरता से लिया है. करीब एक घंटे तक छात्राओं से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनी. इसके बाद कलेक्टर ने तत्काल तहसीलदार और शिक्षा विभाग के ADPC को बुलाया और मामले की जांच के निर्देश दिए.

युपीआय को किसकी नजर लगी ?

भारत में UPI का एक दशक बीत चुका है. शुरुआत में लोग इसके इस्तेमाल से हिचक रहे थे. धीरे-धीरे सिस्टम समझ में आया, और फिर कोरोना काल आ गया. लॉकडाउन में UPI लेन-देन का सबसे सुलभ विकल्प बन गया. उसके बाद UPI ने सभी पीछे मुड़कर नहीं देखा है. आज UPI एक जरूरत के साथ-साथ आम आदमी की मजबूरी भी बन गई है. अधिकतर लोग कैश रखना लोग भूल चुके हैं, सब्जी खरीदने से लेकर ऑनलाइन शॉपिंग तक में UPI का इस्तेमाल हो रहा है. आज डिजिटल पेमेंट घर-घर तक पहुंच चुका है. भारत में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) सिस्टम की दुनियाभर में तारीफ हो रही है. UPI को सुलभ बनाने में सरकार की भी बड़ी भूमिका रही है. डिजिटल भुगतान और UPI को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने १ जनवरी २०२० को UPI और RuPay डेबिट कार्ड पर MDR को शून्य कर दिया था. 'जीरो-MDR' पॉलिसी ने छोटे-बड़े दुकानदारों के लिए UPI को बिल्कुल मुफ्त बना दिया, लेकिन अब देश में UPI पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) की वापसी को लेकर बहस तेज हो गई है. बैंकों और फिनटेक कंपनियों की सर्वर लागत और घाटे को देखते हुए सरकार अब चुनिदा बड़े मर्चेंट ट्रान्जेक्शन पर सीमित शुल्क लागू MDR लागू करने की कानूनी रूपरेखा तैयार कर रही है. आखिर सरकार को क्यों ये कदम उठाना पड़ रहा है, क्या कोई बाहरी दबाव है, इससे आम आदमी पर क्या असर पड़ेगा ?

हालांकि इस बीच सरकार ने साफ कर दिया है कि आम उपभोक्ताओं के लिए UPI से लेन-देन हमेशा की तरह मुफ्त रहेगा. यानी आम आदमी पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा. एक शख्स से दूसरे शख्स (P2P) को पैसे भेजने या छोटे दुकानदारों को भुगतान करने पर कोई शुल्क नहीं लगेगा. यह केवल बड़े व्यापारियों/स्टोर के ट्रान्जेक्शन पर लग



सकता है. एक लाइन में कहें तो MDR व्यापारी पर लगता है. ग्राहक को इससे कोई लेना-देना नहीं है. इसी कड़ी में पिछले दिनों वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में साफ कर दिया कि MDR का शुल्क केवल व्यापारियों पर लागू होगा. आम आदमी के लिए UPI का उपयोग पूरी तरह से निशुल्क ही रहेगा. साथ ही उन्होंने कहा कि MDR लागू करने या उसकी दर तय करने का कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है. NPCI के तहत काम करने वाली 'UPI and Services Steering Committee' इस पर विचार करेगी.

सरकार का तर्क है कि MDR लागू होने से डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा और पेमेंट एग्रीगेटर कंपनियों को नया निवेश के लिए आर्थिक मदद मिलेगी. क्योंकि बैंक और फिनटेक कंपनियों को करोड़ों UPI ट्रान्जेक्शन संभालने के लिए सर्वर और साइबर सुरक्षा पर बहुत बड़ा खर्च करना पड़ता है. MDR जीरो होने के कारण इन कंपनियों और बैंकों का बिजनेस मॉडल प्रभावित हुआ है, जिससे डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में नया निवेश करना मुश्किल हो रहा है. इसलिए MDR से होने वाली आय का मुख्य उद्देश्य बैंकों और फिनटेक कंपनियों को मजबूत बनाना है.

बता दें, MDR वह शुल्क होता है, जो

कोई व्यापारी अपने ग्राहकों से डिजिटल भुगतान स्वीकार करने के लिए बैंकों और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर जैसे कि PhonePe, Paytm, Google Pay को सेवा शुल्क के रूप में देता है. कितनी कमाई हो सकती है ? ब्रोकरेज फर्म Jelferies का अनुमान है कि अगर २००० रुपये से अधिक के बड़े मर्चेंट ट्रान्जेक्शन पर ०.१५% से ०.३०% तक MDR लागू होता है, तो इसका सबसे बड़ा हिस्सा मर्चेंट को जोड़ने वाली कंपनियों को मिलेगा. इससे Paytm, PhonePe और Google Pay जैसी पेमेंट एग्रीगेटर कंपनियों के राजस्व और वित्तीय सेहत में भारी सुधार होगा.

इस बीच आर्थिक थिक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) का कहना है कि भारत को अपनी डिजिटल पेमेंट सिस्टम को लेकर किसी बाहरी दबाव में आने की जरूरत नहीं है. GTRI के मुताबिक UPI और RuPay जैसे भारतीय पेमेंट सिस्टम ने देश में डिजिटल ट्रान्जेक्शन को एक नई दिशा दी है. ऐसे में विदेशी कंपनियों के हितों को ध्यान में रखकर इसमें बदलाव करना सही नहीं होगा. दरअसल, GTRI का ये बयान तब आया है, जब लोकसभा में 'पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट-२००७' बड़े संशोधन से जुड़ा विधेयक पारित हो चुका है. इस संशोधन के बाद केंद्र सरकार को

ये अधिकार मिल जाएगा कि किस इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट मोड पर शुल्क लगेगा और कौन मुफ्त रहेगा. GTRI की सलाह है कि डिजिटल इंफ्रा को मजबूत करने के लिए सरकार दूसरे रास्ते से फंड जुटाने की कोशिश करे. सभी कारोबारियों पर MDR लागू करना ठीक नहीं होगा. थिक टैंक ने सुझाव दिया है कि सरकार बजट में इसका प्रावधान करे. या फिर बड़े व्यावसायिक लेनदेन पर सीमित शुल्क लगाने जैसे विकल्पों पर विचार कर सकती है. विदेशी एंगल के पीछे GTRI ने अपनी रिपोर्ट में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (USTR) की २०२६ नेशनल ट्रेड एस्टीमेट रिपोर्ट का जिक्र किया है. इस रिपोर्ट में भारत के UPI और RuPay फ्रेमवर्क के साथ-साथ ब्राजील के पेमेंट सिस्टम Pix की भी आलोचना की गई है. अमेरिका का तर्क है कि ऐसे घरेलू डिजिटल भुगतान सिस्टम विदेशी भुगतान कंपनियों को बराबरी का अवसर नहीं देते. हालांकि USTR के आरोपों में दम नहीं है, क्योंकि भारत के UPI मार्केट शेयर में अमेरिकी कंपनियां PhonePe और Google Pay का लगभग ८०% से अधिक हिस्सा है. जीरो-MDR नीति के कारण इन दिग्गज टेक कंपनियों को भारत में खरबों रुपये के UPI इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्वर और सेफ्टी पर भारी लागत उठानी पड़ रही थी, जबकि राजस्व शून्य था. MDR लागू होने हर साल अरबों रुपये की सीधी कमाई शुरू हो सकती है. इसके अलावा अमेरिकी कंपनियां Visa और MasterCard भी लंबे समय से भारत सरकार की Zero-MDR नीति पर चिंता जताते रहे हैं. क्योंकि क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर MDR होने के कारण अधिकतर व्यापारी मुफ्त UPI को प्राथमिकता देते हैं. UPI पर MDR लागू होने से डिजिटल भुगतानों के बीच का यह अंतर कम होगा, Visa और Mastercard का कारोबार बढ़ सकता है, यानी UPI पर MDR लगने से मर्चेंट कार्ड पेमेंट पर ज्यादा फोकस करेंगे.

तुर्किए-सऊदी और पाकिस्तान की दोस्ती

मक्का में तुर्किए, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुए ‘मक्का जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट’ को ऐतिहासिक कदम बताया जा रहा है. तीनों देशों ने घोषणा की है कि किसी एक पर हमला तीनों पर हमला माना जाएगा और वे संयुक्त रूप से पलटवार करेंगे. नाटो की दूसरी सबसे बड़ी सेना वाले तुर्किए, तेल संपदा और पवित्र स्थलों के संरक्षक सऊदी अरब तथा एकमात्र परमाणु शक्ति संपन्न मुस्लिम देश पाकिस्तान का यह गठबंधन कागजों पर प्रभावशाली लगता है. क्षेत्रीय तनाव, खासकर ईरान से जुड़े संकट के बीच इसे सुन्नी मुसलमानों की धुरी मजबूत करने वाला कदम करार दिया जा रहा है. लेकिन वास्तविकता यह है कि यह समझौता शााद ही कभी सफल हो. जाहिर है कि यह प्रतीकात्मक बयानबाजी से आगे बढ़ पाएगा इसमें संदेह की गुंजाइश ज्यादा है.

सबसे बड़ा कारण तीनों देशों के परस्पर विरोधी राष्ट्रीय हित हैं. तुर्किए की महत्वाकांक्षा ऑटोमन विरासत को पुनर्जीवित करने, सीरिया, लीबिया और कोकेशस में प्रभाव बढ़ाने की है. सऊदी अरब का फोकस खाड़ी सुरक्षा, तेल निर्यात और ईरान को रोकने पर है, वह अमेरिका के सुरक्षा छत्र पर निर्भर रहता है. पाकिस्तान का मुख्य ध्यान भारत के साथ सीमा विवाद, अफगानिस्तान और आंतरिक सुरक्षा पर केंद्रित है. जाहिर है कि सभी के आपसी हित टकराएं,जैसे तुर्किए-ग्रीस तनाव या सऊदी की यमन नीति तो संयुक्त कार्रवाई असंभव हो जाएगी. कोई भी देश अपने मूल हितों की बलि नहीं चढ़ाएगा.

पाकिस्तान में आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में अशांति तथा सेना का अत्यधिक इस्तेमाल पाकिस्तान को विश्वसनीय साझेदार नहीं बनाते. सऊदी अरब भी अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर है और किसी ऐसे संपर्क में नहीं उलझना चाहेगा जो उसके तेल हितों को नुकसान पहुंचाए. तुर्किए अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं के लिए अकेला आगे बढ़ना पसंद करता रहा है. भू-राजनीतिक समस्‍याएं भी कम नहीं हैं. यह गठबंधन अमेरिका के सहयोगी देशों का है, लेकिन वाशिंगटन इसे पूरी तरह समर्थन दे या नियंत्रण में रखे, यह अभी तक अनिश्चित है. ईरान के खिलाफ एकजुटता दिखाने के बावजूद तीनों की रणनीति अलग-अलग है. सऊदी संयम चाहता है, तुर्किए स्वतंत्र रूप अपनाता है. मिडिल-ईस्ट के जटिल समीकरणों में इस समझौते की परिणति क्या होगा, इसके बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी ही होगा.

ऐतिहासिक अविश्वास और पुरानी रंजिशें भी इन देशों को आपस में मिलने नहीं देंगी. तुर्किए और सऊदी अरब के बीच मुस्लिम ब्रदरहुड, कतर संकट और सीरिया को लेकर गहरे मतभेद रहे हैं. एदोमन और मोहम्मद बिन सलमान के रिश्ते कभी सहज नहीं रहे. पाकिस्तान भी दोनों के बीच संतुलन साधता रहा है. ऐसे गठबंधन में विश्वास की कमी इसे कमजोर बनाती है. अतीत के इस्लामी गठबंधनों में सैन्य पहल कभी सफल नहीं हो सके. क्योंकि सदस्य देश अपने संकीर्ण हितों से ऊपर नहीं उठ सके.

तुर्किए की सेना नाटो मानकों पर आधारित है, सऊदी अरब मुख्य रूप से अमेरिकी हथियारों पर निर्भर है, जबकि पाकिस्तान के पास चीनी, अमेरिकी और स्वदेशी उपकरण हैं. परमाणु हथियारों वाला पाकिस्तान अपनी क्षमता को आसानी से साझा नहीं करेगा, क्योंकि इससे उसकी अपनी रणनीतिक स्वायत्तता प्रभावित होगी. सऊदी अरब पाकिस्तान के परमाणु छत्र की चाहत रखता है, लेकिन इस्लामाबाद भारत जैसे खतरे के रहते हुए इसे विस्तार देने से जरूर हिचकेगा.

दुनिया में ऐसे अनेक रक्षा समझौते हुए हैं जो संयुक्त अभ्यासों और राजनीतिक घोषणाओं तक सीमित रह गए हैं. किसी भी सैन्य गठबंधन की वास्तविक परीक्षा तब होती है, तुर्किए उसके रूख अपनाता है. मिडिल-ईस्ट है तो बाकी सदस्य बिना किसी हिचकिचाहट के उसके लिए सैन्य जोखिम उठाने को तैयार हों.

मुस्लिम देशों के संगठन, क्षेत्रीय मंच और अनेक साझा घोषणाएं दशकों से मौजूद हैं, लेकिन जब-जब किसी बड़े संकट की घड़ी आई, सदस्य देशों ने अक्सर अपने-अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार निर्णय लिए हैं. यमन, सीरिया, लीबिया और कतर संकट इसके उदाहरण हैं, जहां मुस्लिम दुनिया स्वयं कई खेमों में बंटी दिखाई दी.

तुर्किए का रक्षा उद्योग तेजी से विकसित हुआ है, सऊदी अरब के पास वित्तीय संसाधन हैं और पाकिस्तान के पास सैन्य अनुभव तथा मानव संसाधन हैं. इन क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता.

स्वास्थ्य सेवा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका

नई दिल्ली : रसायन और उर्वरक तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में "एआई इन मेडटेक: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए हेल्थकेयर में क्रांति" विषय पर नॉलेज पेपर जारी किया। इसे फिक्की के सहयोग से फार्मास्युटिकल्स विभाग द्वारा आयोजित 'इंडिया मेडिकल डिवाइस २०२६' के ९वें संस्करण में जारी किया गया। इस रिपोर्ट में नए अवसर पैदा करने से लेकर उभरती चुनौतियों का समाधान करने तक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूमिका की जानकारी दी गई है।

फिक्की के सहयोग से Praxis Global Alliance द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किया गया यह नॉलेज पेपर भारत के बदलते एआई-सक्षम मेडटेक परिदृश्य की समीक्षा करता है। इसमें स्वास्थ्य सेवा में जिम्मेदार एआई को अपनाने की गति बढ़ाने के लिए जरूरी रणनीतिक कदमों की रूपरेखा बताई गई है। यह डायग्नोस्टिक्स, क्लिनिकल निर्णय सहायता, परिचालन दक्षता और मेडिकल डिवाइस इनोवेशन में एआई की भूमिका का पता लगाता है, साथ ही बड़े पैमाने पर इसे अपनाने में सक्षम बनाने के लिए जरूरी रेगुलेटरी, पॉलिसी और इकोसिस्टम से जुड़े उपायों की पहचान करता है। रिपोर्ट में यह भी



कहा गया है कि भारत ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम), IndiaAI मिशन, SAHI, BODH और राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति, २०२३ के माध्यम से पहले ही महत्वपूर्ण आधार तैयार कर लिया है, लेकिन एआई समाधानों को सफल पायलट प्रोजेक्ट्स से बड़े पैमाने पर क्लिनिकल उपयोग तक ले जाना बड़ी चुनौती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बदलाव के लिए बिखरे हुए स्वास्थ्य डेटा और सीमित सबूतों की समस्या को हल करने, एडॉप्टिव एआई के

लिए अनुमानित जीवन-चक्र आधारित नियम विकसित करने और सहायक रीइंबर्समेंट (भुगतान वापसी) और खरीद तंत्र बनाने की आवश्यकता है। इसमें कहा गया है कि भारत के पास अपनी सॉफ्टवेयर क्षमताओं, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, क्लिनिकल विविधता और बढ़ते मेडटेक मैन्युफैक्चरिंग बेस का लाभ उठाकर एआई-सक्षम चिकित्सा तकनीकों के जिम्मेदार विकास, निर्माण और उपयोग में वैश्विक लीडर बनने का अनूठा अवसर भी है।

इस अवसर पर फार्मास्यूटिकल्स विभाग के सचिव श्री मनोज जोशी ; नीति आयोग के सदस्य डॉ. एम. श्रीनिवास; स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव और आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग की सचिव श्रीमती पुष्पा सलिता श्रीवास्तव; उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव श्री अमरदीप सिंह भाटिया; राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सीईओ श्री सुनील कुमार बरनवाल; फिक्की के महासचिव श्री अनंत

स्वरूप और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, उद्योग जगत के नेता और मेडटेक क्षेत्र के हितधारक उपस्थित थे।

नॉलेज पेपर की खास बातें
रिपोर्ट में भारत में एआई-इनेबल्ड मेडटेक को तेजी से अपनाने के लिए पाँच जरूरी बातों पर जोर दिया गया है:

मेडटेक भारत का सबसे तुरंत और स्केलेबल एआई मौका है, जिससे स्पेशलिस्ट एक्सपर्टीज को सीधे मेडिकल डिवाइस में शामिल किया जा सकता है और अच्छी हेल्थकेयर तक पहुँच बढ़ाई जा

बोकारो को मिलेगी खेल विकास की बड़ी सौगात

बोकारो : विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई गति देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। क्षेत्र की विधायक श्वेता सिंह ने जानकारी दी है कि ०६ जुलाई २०२६ को कालापत्थर में आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास किया जाएगा। यह परियोजना न केवल खेल अवसरचना को मजबूत करेगी, बल्कि बोकारो के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने का भी कार्य करेगी।

विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड विकास की नई ऊँचाइयों को छू रहा है और इसी कड़ी में बोकारो विधानसभा क्षेत्र को यह महत्वपूर्ण सौगात मिल रही है। आधुनिक

सुविधाओं से युक्त यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स क्षेत्र के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, अभ्यास और प्रतियोगिताओं के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराएगा। अब स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी क्षमता निखारने के लिए बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि यह परियोजना खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का भी माध्यम बनेगी। खेल गतिविधियों के विस्तार से युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही बोकारो की पहचान औद्योगिक नगरी के साथ-साथ उभरते खेल केंद्र के रूप में भी

स्थापित होगी। यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय खेल आयोजनों के लिए भी महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है। इससे क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को नई पहचान मिलेगी और स्थानीय स्तर पर खेलों के प्रति उत्साह का वातावरण तैयार होगा। परियोजना के माध्यम से युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वाार खुलेंगे तथा क्षेत्र के समग्र विकास को भी गति मिलेगी।

विधायक श्वेता सिंह ने क्षेत्र के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, खेल प्रेमियों, युवाओं एवं सामाजिक संगठनों से इस ऐतिहासिक अवसर पर उपस्थित होकर विकास यात्रा के सहभागी बनने का आह्वान किया है।

बाघ संरक्षण में भारत सबसे आगे

फलते-फूलते बाघ, मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र

'अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस' बाघ संरक्षण के वैश्विक महत्व को हर साल २९ जुलाई को उजागर करता है। भारत के लिए, यह विज्ञान-आधारित संरक्षण और सतत विकास के प्रति सरकार की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराता है। यह दिन भारत की उल्लेखनीय संरक्षण उपलब्धियों को भी प्रदर्शित करता है। आज, भारत में दुनिया की सबसे बड़ी जंगली बाघों की आबादी है, जो वैश्विक स्तर पर सभी जंगली बाघों का लगभग ७०% है। यह सफलता दशकों के निरंतर नीतिगत समर्थन, वैज्ञानिक प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारी को दर्शाती है, जिससे भारत बाघ संरक्षण में एक वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित हुआ है।

यह उपलब्धि बाघ के साथ भारत के गहरे सांस्कृतिक और पारिस्थितिक जुड़ाव पर आधारित है। सदियों से, पुराने सिक्कों, शाही मुहरों और मंदिरों की नक्काशी में बाघ को ताकत और प्रभुत्व के प्रतीक के रूप में दिखाया गया है। इस लंबे समय से चली आ रही विरासत को पहचानते हुए, सरकार ने १९७२ में रॉयल बंगाल टाइगर को राष्ट्रीय पशु घोषित किया। आज भी, बाघ भारत की समृद्ध जैव-विविधता, पारिस्थितिक संपदा और विविध इलाकों में फैली साझा प्राकृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है।

बाघ का सांस्कृतिक महत्व तो है ही, साथ ही यह पारिस्थितिकी तंत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शीर्ष शिकारी और 'अंब्रेला प्रजाति' (संरक्षण छत्र) होने के नाते, यह स्वस्थ वन पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में सहायक होता है। बाघों के प्राकृतिक आवासों का संरक्षण वनों, नदियों और अनगिनत अन्य प्रजातियों की रक्षा करता है। ये वन जल नियंत्रण, मृदा संरक्षण करते हैं, परागण में सहयोग प्रदान करते हैं और स्थानीय जलवायु को संतुलित रखते हैं। ये आपदा जोखिम को भी कम करते हैं और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रदान करते हैं जो ग्रामीण आर्थिकिका और शहरी अर्थव्यवस्थाओं को आधार देती हैं। बाघों और उनके आवासों की रक्षा करके, सरकार जैव विविधता संरक्षण को मजबूत कर रही है, पारिस्थितिक सुरक्षा को बढ़ा रही है और सतत विकास के माध्यम से 'विकसित भारत' के संकल्प को आगे बढ़ा रही है।

क्या आप जानते हैं ?



अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस की शुरुआत नवंबर २०१० में आयोजित 'सेंट पीटर्सबर्ग टाइगर समिट' से हुई थी। भारत सहित १३ बाघ-रेंज वाले देशों के नेताओं ने २०२२ तक दुनिया भर में जंगली बाघों की आबादी को दोगुना करने का महत्वाकांक्षी 'टीx२' लक्ष्य अपनाया था। आज, यह संरक्षण की प्रगति की समीक्षा करने, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में कार्य करता है। २०१० में, विश्व स्तर पर केवल लगभग ३,२०० जंगली बाघ होने का अनुमान था। २०२२ तक, बेहतर संरक्षण और वैज्ञानिक निगरानी से यह अनुमान बढ़कर लगभग ४,५०० हो गया, जिसमें ३,७०० से ५,६०० बाघों की संभावित सीमा शामिल है। हालिया वैश्विक अनुमानों के अनुसार, दुनिया भर में लगभग ५,७११ जंगली बाघ हैं, जो २०१० के बाद से लगभग ७८% की वृद्धि को दर्शाता है।

बाघों की संख्या में वृद्धि: संकट से उबरने तक का सफर
भारत की बाघ संरक्षण की कोशिशें वन्यजीवों की संख्या बढ़ाने के मामले में दुनिया के लिए एक मिसाल बन गई हैं। २००६ के बाद से देश में वैज्ञानिक तरीके से गिनी गई बाघों की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। 'अखिल भारतीय बाघ अनुमान (२०२२)' के अनुसार, भारत में बाघों की संख्या ३,६८२ है। २०२२ के इस अखिल भारतीय बाघ अनुमान में २० राज्यों को शामिल किया गया और ६.४१ लाख किलोमीटर से अधिक का क्षेत्र पैदल तय करके सर्वेक्षण किया गया। यह दुनिया के सबसे बड़े और सबसे व्यापक वन्यजीव सर्वेक्षण में से एक है। बाघों की संख्या में यह शानदार बढ़ोतरी लगातार मिल रहे नीतिगत समर्थन, विज्ञान-आधारित

सकती है

भारत के पास एआई लीडरशिप के लिए नींव है, लेकिन अभी तक स्केल के लिए इकोसिस्टम नहीं है। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, नवाचार और डॉक्टरों की स्वीकार्यता तेजी से आगे बढ़ी है, लेकिन एआई को अपनाना अब भी बिखरे हुए डेटा, बदलते रेगुलेशन और सीमित रीइंबर्समेंट रास्तों की वजह से मुश्किल बना हुआ है।

भारत को सफल पायलट प्रोजेक्ट से आगे बढ़कर रूटीन क्लिनिकल अपनाने की दिशा में चलना होगा। इसके लिए उसे तीन इकोसिस्टम की कमियों को दूर करना होगा: एआई-रेडी डेटा और सबूत, लाइफसाइकल-बेस्ड रेगुलेशन, और खरीद और रीइंबर्समेंट के तरीके जो एआई-इनेबल्ड वैल्यू को पहचानते हैं।

एआई-इनेबल्ड डायग्नोस्टिक्स के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने की उम्मीद है, जो प्राइमरी और सेकेंडरी केयर में स्पेशलिस्ट की विशेषज्ञता बढ़ाने, उत्पादकता में सुधार करने और हेल्थकेयर एक्सेस में असमानताओं को कम करने में सहायता करेगा।

सरकार, रेगुलेटर, हेल्थकेयर प्रोवाइडर, पेयर, इंडस्ट्री और एकेडेमिया में मिलकर काम करना जरूरी होगा ताकि भारत को जिम्मेदार एआई-इनेबल्ड मेडटेक में ग्लोबल लीडर बनाया जा सके।

भारत के आक्रोश का भूगोल

रांची का जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम युवाओं के आक्रोश का नया केंद्र बन गया है. संस्थागत विफलताओं से निराश २५-३५ वर्ष के युवाओं का यह स्वतःस्फूर्त प्रदर्शन व्यवस्था से मिले धोखे और टूटे भरोसे की दर्दभरी दास्तान बयां करता है.

रांची में भीड़ उस जनसैलाब के मुकाबले काफी छोटी है, जो पिछले दिनों जंतर-मंतर पर उमड़ी थी. लेकिन केवल संख्या बल किसी विरोध-प्रदर्शन की पूरी कहानी बयां नहीं करता. उसका मिजाज, उसकी भावना और उसके पीछे छुपे हुए विश्वासघात का अहसास अक्सर कहीं अधिक मायने रखता है. इस मायने में, जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जो कुछ भी घटित हो रहा है, वह जंतर-मंतर की अजीबोगरीब ढंग से याद दिलाता है. जंतर-मंतर की ही तरह, यह आंदोलन भी जन-आक्रोश, राजनीतिक भागीदारी और मूक समर्थन के चौराहे पर खड़ा है. जंतर-मंतर की तरह ही, यहां भी एक स्पष्ट राजनीतिक अंडर-करंट नजर आ रहा है. राजनीतिक चेहरे और समर्थक मौजूद हैं. राजनीतिक दल और कार्यकर्ता दिख रहे हैं, जैसा कि किसी भी बड़े जन-आंदोलन में स्वाभाविक रूप से होता है. फिर भी इस भीड़ को केवल 'राजनीतिक रूप से प्रायोजित' मानकर खारिज कर देना एक भूल होगी. यहां जुटी भीड़ का एक बड़ा हिस्सा स्वतःस्फूर्त है. आम नागरिक इसलिए यहां नहीं आया हैं क्योंकि उन्हें बुलाया गया है, बल्कि इसलिए हैं क्योंकि वे युवा होने के लिए मजबूर महसूस कर रहे हैं.

हालांकि, डेमोग्राफिक्स एक अलग कहानी बयां करती है. जंतर-मंतर एक युवा



भारत का ठिकाना था- Gen Z, पहली बार सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारी और ऐसे आदर्शवादी, जिन्हें लगता था कि बदलाव उनकी पहुंच में है. इसके विपरीत, जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में ज्यादातर २५ से ३५ साल के उम्र वर्ग के लोग हैं. वे अब सिर्फ उम्मीद के भरोसे नहीं चल रहे, बल्कि उनके भीतर गहरा आक्रोश और खिड़ भरी है. यह एक ऐसी पीढ़ी है जिसने एक के बाद एक कई घोटाले, टूटे हुए वादे और संस्थागत विफलताओं को झेला है. उनका गुस्सा अचानक उबला हुआ नहीं है, यह बरसों से जमा हुआ आक्रोश है.

यह एक ऐसा वर्ग है जो आदर्शवादी कम, थका हुआ ज्यादा है. संस्थाओं से मिले बा-बार के धोखे का बोझ उठाए हुए. जिनके बारे में उनका मानना है कि वे पूरी तरह नाकाम हो चुकी हैं. वे हताश हैं और अपनी जवानी

की उस कीमत का हिसाब चाहते हैं, जो वे इस ध्वस्त हो चुकी व्यवस्था के कारण खो रहे हैं. यहां दिख रही एकजुटता भी जंतर-मंतर की याद दिलाती है. जैसा कि तब हुआ था, आम नागरिकों ने प्रोटेस्टर्स के सपोर्ट के लिए अपना योगदान देना शुरू कर दिया है. वे प्रदर्शनकारियों के लिए खाना और जरूरी सामान भेज रहे हैं. ये केवल दान या मदद के संकेत भर नहीं हैं. यह इस बात का सार्वजनिक ऐलान है कि यह प्रदर्शन सिर्फ उस मैदान में डटे लोगों का नहीं है, बल्कि दूर बैठकर इसे देख रहे लोगों का भी है. हालांकि, विरोध की भाषा काफी अलग है. जंतर-मंतर का माहौल व्यंग्य, बेबाकी, चटकीले नारों और सता में बैठे लोगों पर तीखे कटाक्षों के लिए जाना जाता था. झारखंड में मिजाज अलग है. यहां का मुख्य स्वर आक्रोश, बेबसी और दर्द से भरा है. वह हास्य, जो कभी असंतोष

‘द केरल स्टोरी २’ की एक्ट्रेस का दिखा बोल्ड अंदाज



मुंबई : अपनी बेहतरीन एक्टिंग के लिए पहचानी जाने वाली एक्ट्रेस उल्का गुप्ता हाल ही में अपने एक नए फोटोशूट को लेकर चर्चा में आ गई हैं। लंबे समय से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से जुड़ी उल्का ने टीवी से लेकर फिल्मों तक

कई बेहतरीन प्रोजेक्ट्स में काम किया है। हालांकि, इस बार वे अपने किसी रोल को लेकर नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों की वजह से सुर्खियों में हैं। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ नई तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिन्हें देखने के बाद जहां उनके चाहने वाले तारीफों के पुल बांध रहे हैं, वहीं फैस का एक वर्ग उनका यह नया अवतार देखकर काफी नाराज भी नजर आ रहा है। तस्वीरों में उल्का गुप्ता काफी ग्लैमरस और बोल्ड अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। उन्होंने अर्थी-ब्राउन शेड में दो-पीस आउटफिट पहना है, जिसमें एक स्ट्रैप-स्टाइल वाला ब्रैलेट टॉप और मैचिंग रेप-अराउंड थाई-हाई

स्लिट स्कर्ट शामिल है। मिनिमल गोल्ड एक्सेसरीज, स्टेटमेंट इयररिंग्स, हाथों में ब्रेसलेट और न्यूड मेक-अप के साथ उन्होंने अपने इस बोल्ड गेटअप को बेहद सलीके से कैरी किया है। अपनी इस पोस्ट के साथ उल्का ने एक खूबसूरत कैप्शन भी लिखा- 'मिट्टी जैसे रंगों में सजी, हर एक अंदाज को अपनाते हुए।' फोटोशूट सामने आते ही सोशल मीडिया यूजर्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कई फैस ने उनकी खूबसूरती और स्टाइल सेंस की जमकर तारीफ की, तो वहीं उनके पारंपरिक रूप को पसंद करने वाले कुछ फैस को उनका यह अवतार रास नहीं आया। एक यूजर ने अपना दुख जताते हुए लिखा, 'मेरी फेवरेट थी, पर अब नहीं।' दूसरे यूजर ने कमेंट किया,

'आपका डेडिशनल में पिछला लुक ज्यादा अच्छा था।' इसके अलावा एक और फैस ने सवाल उठाते हुए लिखा, 'आप इस तरह के शूट क्यों करवाती हैं।' एक यूजर ने तो लिख दिया, 'आपको झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की गरिमा बनाए रखनी है।' बता दें कि उल्का गुप्ता ने अपने करियर में कई अलग-अलग और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। हाल ही में वे फिल्म 'केरल स्टोरी २' में नजर आई थीं, जो ब्लॉकबस्टर रही फिल्म 'द केरल स्टोरी' का सीकल थी। उल्का गुप्ता पहली बार टीवी सीरियल 'झांसी' की रानी में मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। हिंदी टीवी इंडस्ट्री में काम करने के बाद उल्का ने तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री का रुख किया। उल्का गुप्ता ने रणवीर सिंह की 'सिम्बा' में भी एक्टिंग की है।

कियारा के बाद तारा संग यश का रोमांस

मुंबई : यश की फिल्म टॉक्सिक का नया गाना मदहोश रिलीज हो गया है, जिसमें वो बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया संग इंटीमेट होते नजर आए। इससे पिछले गाने में भी उनका कियारा आडवाणी संग रोमांटिक ट्रैक देखा गया था।

केजीएफ स्टार यश इस समय अपने अलग-अलग प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। कुछ दिन पहले दिल्ली में हुए रामायण ट्रेलर इवेंट में उनका अंदाज देख कई लोग हैरान हुए। ट्रेलर में यश ने जिस तरह रावण का किरदार निभाया है, वो भी सबको चौंकाने वाला होगा। मगर रामायण से पहले, यश अपनी सबसे कॉन्ट्रोवर्शियल फिल्म टॉक्सिक में नजर आएंगे।

तारा के लिए यश की मदहोशी
फिल्म 'टॉक्सिक' इस समय कई सारे कारणों के चलते विवाद में है। सबसे अहम विवाद इसमें दिखाई इंटीमसी को लेकर है, जिसे देखकर लोग खूब ट्रोल् कर

रहे हैं। कुछ दिन पहले जब यश और कियारा आडवाणी का गाना तबाही आया था, तब एक्ट्रेस को सबसे ज्यादा ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। उन्हें लेकर तरह-



तरह के मीम्स बने और बातें कही गईं। अब यश ने अपनी फिल्म का एक और नया गाना मदहोश रिलीज किया है, जिसमें इस बार उनके साथ तारा सुतारिया हैं। टॉक्सिक के गाने मदहोश में



यश और तारा का रोमांस परवान पर नजर आता है। दोनों एक-दूसरे की बांहों में खोए हुए दिख रहे हैं। कभी कैफे में यश, तारा को अपनी गोद में बैठकर किस कर रहे हैं, कभी बाथटब में एक्ट्रेस के साथ इंटीमेट हो रहे हैं। वहीं बारिश में भी तारा और यश रोमांस करते दिख रहे हैं। गाने में यश, तारा सुतारिया के लिए 'मदहोश' हो गए हैं। मगर साथ ही साथ उनके दिल में कियारा के किरदार के लिए भी फीलिंग्स मौजूद हैं।

'टॉक्सिक' यश का किरदार!
इस गाने से ये तो तय हो चुका है कि यश अपनी फिल्म में राया बनकर एक से ज्यादा लड़कियों के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। उनका किरदार बाकी फिल्मों के मुकाबले काफी हटके और 'टॉक्सिक' रहने वाला है। फिल्म में उनका डबल रोल भी है, जिसमें फैस उन्हें एक लंबे वक्त के बाद नए लुक में दिखाई देंगे। इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर गीतू मोहनदास ने डायरेक्ट किया है। ये फिल्म २६ अगस्त को वर्ल्डवाइड थिएटर्स में रिलीज होगी।

तृषा कृष्णन ने भी देखी 'जन नायगन' विजय की फिल्म देख थियेटरर्स में रोए फैस

मुंबई : करीबन ६ महीने के लंबे स्ट्रगल के बाद थलपति विजय की आखिरी फिल्म जन नायगन सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। सेंसर सर्टिफिकेट में फंसी ये फिल्म विवादों से गुजरने के बाद फैस के बीच पहुंची है। इसलिए लोगों में इस मूवी को लेकर क्रेज है। तमिलनाडु में २३ जुलाई का दिन जश्न के तौर पर देखा जा रहा है। फैस का कहना है ये फिल्म सुपर डुपर हिट होगी। जन नायगन थलपति विजय की आखिरी फिल्म है। वो अब पूरी तरह से राजनीति पर फोकस करेंगे। विजय को आखिरी बार स्क्रीन पर देखकर फैस इमोशनल हुए हैं। इंटरनेट पर कई वीडियो सामने आए हैं जिनमें फैस थियेटरर्स के अंदर रोंते हुए दिखे।

जन नायगन का जितना क्रेज पब्लिक में है। उतना ही फिल्मी सितारों के बीच दिखा। सीएम विजय की करीबी दोस्त तृषा कृष्णन को रोहिणी थियेटर जाते हुए पैस ने कैप्चर किया। उनके चेहरे पर स्माइल दिखी। हमेशा की तरह इस बार भी एक्ट्रेस ने विजय को अपना सपोर्ट दिया है। दोनों की नजदीकियों की अक्सर चर्चा होती है। जन नायगन को पब्लिक का धमाकेदार रिसर्पॉन्स मिल रहा है। फैस ने ब्लॉकबस्टर लोडिंग, हिट, एंटरटेनिंग जैसे कमेंट्स किए हैं। थियेटरर्स के अंदर जश्न का माहौल दिखा है। फैस सीटियां बजा रहे हैं, नोट उड़ा रहे हैं। यूं कहें तो जन नायगन का फीवर फैस के सिर चढ़कर बोल रहा है।

मूवी में इंटरवल से पहले विजय और बांबी देओल का क्लैश टीज किया गया। साउथ मूवी में



बांबी को देखकर फैस का दिल खुशी से गदगद हो गया है। इस सीन का क्लिप यूजर्स ने वायरल किया है। थलपति विजय का फिल्म से एंट्री सीन वायरल हो रहा है। इसमें एक्टर को गुंडों की धुलाई करते हुए दिखाया गया है। विजय की फिल्म का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। लोग स्क्रीन पर विजय को देखकर चीख-चिल्ला रहे हैं। विजय का स्वीग देखना फैस के लिए ट्रीट से कम नहीं है। दूसरे एक वीडियो में फैस सीट पर खड़े होकर विजय-विजय के नारे लगाते दिखे। साउथ में थियेटरर्स के बाहर फर्स्ट डे फेस्ट शो देखने के लिए लंबी लाइन लगी हुई है। सोशल मीडिया पर सिनेमाहॉल के अंदर का नजारा दिखाते हुए कई वीडियो सामने आए हैं, जिनमें फैस हूटिंग कर रहे हैं, खुशी से झूम रहे हैं, तालियां बजा रहे हैं। मूवी शुरू होने पर विजय को सीएम विजय का टाइटल दिया गया है। ये मोमेंट फैस अपने कैमरे में कैद करते हुए नजर आए। थियेटरर्स लोगों की भीड़ से खचाखच भरे हुए दिखे। सिनेमाघरों के बाहर विजय के बड़े-बड़े पोस्टर और होर्डिंग्स लगे हैं। बेंगलुरु के संध्या थियेटर के

बाहर का विजुअल सामने आया है जिसमें सिनेमाहॉल से बड़ा विजय का कटआउट लगा है। वो अपने सिग्नेचर स्वीग को दिखाते नजर आए हैं। फैस विजय के इस कटआउट के सामने फोटोज क्लिक कर रहे हैं। सिनेमाघरों के बाहर लोग पटाखे जलाते दिखे। कई लोग थुप में डांस करते हुए नजर आए। वहीं मदुरई में सिनेमाहॉल के बाहर विजय के पोस्टर पर फैस दूध चढ़ाते दिखे। इंडिया में ये फिल्म २,५०० स्क्रीन पर रिलीज हुई है। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और केरल में सुबह ६ बजे से पहले शो शुरू हो गए, जबकि तमिलनाडु में हमेशा की तरह सुबह ९ बजे से फिल्म की स्क्रीनिंग शुरू होगी। जन नायगन मूवी में विजय के साथ पूजा हेगड़े, बांबी देओल, ममिता बैनू, प्रकाश राज, गौतम वासुदेव मेनन और नारायण भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। डायरेक्टर एच. विनोथ के निर्देशन में बनी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतीव ओपनिंग कर सकती है। ट्रेड एनालिस्ट के मुताबिक, मूवी इंडिया में ओपनिंग वीकेंड में १५०-१८० करोड़ कमा सकती है।

NEET लीक विवाद पर भड़का बॉलीवुड!

मुंबई : NEET परीक्षा लीक मामले में देशभर में आक्रोश है। दिल्ली के जंतर मंतर से लेकर मुंबई और बाकी राज्यों में भी छात्रों का प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। कई सेलेब्स ने स्टूडेंट्स के इस प्रोटेस्ट में उनका साथ दिया है। फिल्म इंडस्ट्री के बड़े नामों की बात करें तो सलमान खान, प्रीति जिंटा के बाद अब आलिया भट्ट ने रिएक्ट किया है। एक्ट्रेस ने इंस्टा पोस्ट में बताया कि वो छात्रों के साथ खड़ी हैं। उन पर हुए लाठीचार्ज के विजुअल्स देखकर वो निराश हैं। आलिया लिखती हैं- पिछले कुछ दिनों में मेरा दिल टूट गया है। लेकिन फिर मैंने इसे उम्मीद के साथ बार-बार जोड़ा है। हर छात्र जो अपने हक के लिए खड़ा हुआ है, उसके

पीछे एक सपना है, एक परिवार की उम्मीद है और अनगिनत बलिदानों की कहानी है। वे सिर्फ खुद को नहीं, बल्कि उन सभी लोगों की उम्मीदों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिन्होंने उन्हें सपोर्ट किया है। "वो भविष्य में आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर रास्ता बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इन छात्रों की हिम्मत ने मुझे हंबल किया है। उनका संकल्प सवाल पूछता है कि क्या हम सच में उन लोगों की आवाज सुन रहे हैं, जो कल इस देश का भविष्य संभालेंगे और उसे आगे बढ़ाएंगे। स्टूडेंट्स के लिए, स्टूडेंट्स द्वारा, भविष्य उन्हीं का है, जय हिंद."

सोशल मीडिया पर रिएक्ट करने के अलावा कई सेलेब्स ऐसे हैं जो प्रोटेस्ट ग्राउंड

पर जाकर छात्रों के हक में आवाज उठा रहे हैं। इनमें हुमा कुरैशी, साकिब सलीम, प्रकाश राज, शबाना आजमी, स्वरा भास्कर जैसे नाम शामिल हैं। बुधवार को एक्ट्रेस आयशा खान का एक वीडियो सामने आया था जिसमें उन्हें पुलिस ने जबरन हिरासत में लिया। एक्ट्रेस के साथ खींचतान और धक्का मुक्की हुई थी। आयशा का कहना था वो सड़क पर चुपचाप खड़ी थीं। उन्होंने कुछ भी नहीं किया, ना कुछ बोला था। ऐसे में उनके साथ ऐसा सलूक क्यों किया गया। आयशा को डिटेन करने का ये वीडियो जमकर वायरल हुआ। लोगों ने पुलिस बल के इस एक्शन की निंदा की थी।

स्कूल में सलमान के लिए लीक होते थे पेपर?

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने बुधवार को NEET पेपर लीक मामले में सड़कों पर उतरते छात्रों के समर्थन में पोस्ट लिखा था। दबंग खान ने पेपर लीक को गंभीर मुद्दा बताया था। प्रदर्शन के दौरान घायल हुए छात्रों के प्रति सहानुभूति जताई। सलमान की पोस्ट जैसे ही वायरल हुई, इंटरनेट पर उनका एक वीडियो ट्रेंड होने लगा, जिसमें सलमान ने स्कूल के दिनों में पेपर लीक होने का जिक्र किया था।



दबंग खान के पिता सलीम खान ने २०२० में द कपिल शर्मा शो में इससे जुड़ा एक किस्सा सुनाया था। शो में सलमान के अलावा उनके दोनों भाई अरबाज खान और सोहेल खान भी मौजूद थे। सलीम खान ने बताया था कैसे उनके घर में गणेश नाम का एक शख्स आता था। उसे घर में उनसे ज्यादा इज्जत मिलती थी। गणेश की खतिरदारी देखकर वो हैरान थे। सलीम खान ने खान ब्रदर्स का सीक्रेट खोलते हुए कहा- हमारे घर पर एक आदमी आता था। मैं काफी काम में

बिजी रहता था। मैं कभी शाम को आ जाऊं तो कहते थे- गणेश आया है, गणेश को चाय पिलाओ, अरे, गणेश के लिए कुर्सी लाओ। मैं सोचता था कि ये गणेश कौन है, जिसे इस घर में मुझसे ज्यादा इज्जत मिल रही है। मैंने सोचा ये पता लगाना ही पड़ेगा। बाद में पता लगा कि जो एग्जाम का पेपर लीक होता था, वो बंदा इन्हें वो पेपर लाकर देता था। जिस दौरान सलीम खान ये खुलासा कर रहे थे। सोहेल और अरबाज की भी हंसी नहीं रुक रही थी। सोहेल ने हंसते हुए कहा- सब पोल खुल रही है आज। इसपर तुरंत रिएक्ट करते हुए कपिल शर्मा बोले- सोहेल भाई बड़े शरारती थे आप। तब हंसते हुए सलमान ने बताया कि वो पेपर लीक उनके लिए था। सलमान का ये वीडियो देखने के बाद इंटरनेट यूजर्स के मिले-जुले रिएक्शन देखने को मिल रहे हैं। कईयों ने सलमान को शरारती बताया। कईयों का मानना है ये

हिपोक्रेसी है। चीटिंग करना बुरी चीज है। दूसरे ने कहा- सेलेब्स और उनकी हिपोक्रेसी। एक यूजर ने सवाल उठाते हुए कहा- इंडिया कमिडी कंट्री है। यहां आप पेपर लीक भी कर सकते हो और इस पर जोक भी बना सकते हो। सलमान खान ने छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन के हिंसक होने पर दुख जताया। उन्होंने लिखा- पेपर लीक गंभीर मुद्दा है। खुशी है जिस तरह से हमारे देश के बच्चे बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए साथ आए हैं। मैं उनके इस कदम की सराहना करता हूँ, ये आंदोलन या विरोध प्रदर्शन ही सही तरीका है, और छात्रों ने इसे शांतिपूर्ण ढंग से किया है। वे बहुत बहादुर हैं। ये मुद्दा छात्रों और शिक्षा व्यवस्था के बीच का है; इसे राजनीतिक एंगल नहीं दिया जाना चाहिए। इसका श्रेय केवल छात्रों को ही मिलना चाहिए। मुझे भरोसा है कि सरकार छात्रों को सपोर्ट करेगी। ताकि शिक्षा व्यवस्था मजबूत बन सके।

बोल्डनेस देख फैन्स हैरान बिकिनी लुक में राधिका का ग्लैमरस अवतार



मुंबई : मॉडल और एक्ट्रेस राधिका सेठ के मालदीव वेलेशन की बिकिनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। २७ वर्षीय राधिका जकूजी और बोट पर हॉल्टर और ब्लू बिकिनी में कातिलाना पोज देती नजर आईं।

मॉडल और एक्ट्रेस राधिका सेठ ने हाल ही में मालदीव से अपनी बिकिनी फोटोज शेयर की हैं, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। मालदीव वेलेशन पर राधिका ने एक हॉल्टर बिकिनी टॉप और हाई-कट बॉटम वाला टू-पीस पहना। इस फोटो में वो समंदर किनारे पर पोज देती हुई नजर आ रही हैं, जहां उनका बिकिनी लुक बेहद बोल्ड और आकर्षक लग रहा है। दूसरी फोटो में राधिका बिकिनी पहनकर जकूजी में नहाती दिख रही हैं। एक्ट्रेस का बोल्ड एटीट्यूड फैन्स का ध्यान खींच रहा है। मालदीव में छुट्टियां मनाते हुए राधिका ने ब्लू बिकिनी भी पहनी। ब्लू बिकिनी में वो कातिलाना पोज देती दिखीं। राधिका ने एक और फोटो शेयर की है, जिसमें वो ब्लू बिकिनी में बोट पर पोज दे रही हैं। एक्ट्रेस का एडवेंचर एटीट्यूड फैन्स को काफी पसंद आ रहा है। राधिका सेठ की ये सारी बिकिनी फोटोज उनके बोल्डनेस और आत्मविश्वास को दर्शाती हैं, जिसने उनके फैस के होश उड़ा दिए हैं। २७ साल की उम्र में उन्होंने बिकिनी पहनकर इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। फैन्स उनकी तस्वीर पर फायर इमोजी बनाकर उन पर प्यार लुटा रहे हैं। राधिका सेठ की इन मालदीव बिकिनी फोटोज में उनके फिटनेस और ट्रैवल लवर पर्सनैलिटी का लुक साफ दिखाई दे रहा है।



स्वीस स्वबरे

महाराष्ट्र के विरार में मिले एक 9 करोड़ के जाली नोट

कार में गुजरात से मुंबई ले जाई जा रही थी नकली करंसी

विरार : महाराष्ट्र के विरार में पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान गुजरात से मुंबई जा रही एक कार से एक करोड़ रुपये के जाली नोट बरामद किए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी इन जाली नोटों को ३० लाख रुपये में



बेचने वाले थे। हालांकि, इन नोटों को किसे और कब बेचा जाना था इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आ पाई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है। जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि इस नकली करंसी को कहां सप्लाई किया जाना था। इन नोटों को कहां से लाया गया था इसकी जांच की जा रही है।

बता दें कि वसई क्राइम ब्रांच यूनिट-२ ने इस मामले का खुलासा किया है। कार की चेकिंग के दौरान पुलिस को उसके अंदर से करीब १ करोड़ के नकली नोट बरामद किए हैं। पुलिस ने मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर शिरसाट फाटा ब्रिज के नीचे इस कार को पकड़ा गया है। पुलिस को देखने के बाद कार सवार घबरा गया और पीछे ही रुक गया। पुलिस को उसपर शक होने के बाद कार की तलाशी ली गई। कार की तलाशी लेने पर भारी मात्रा में नकली नोट बरामद हुए। पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ कर रही है।

कार में रखे गए एक बैग से ५०० रुपये के नकली नोट बरामद हुए हैं। पुलिस ने कुल २० हजार जाली नोट जब्त किए हैं। इसकी कीमत करीब १ करोड़ रुपये बताई गई है। पुलिस ने कार नंबर MH ४८ BT ८६८६ को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। बता दें कि यह कार गुजरात से मुंबई की ओर जा रही थी।

गढ़चिरोली : जहरीले सांप ने ६ छात्राओं को डसा, ३ की मौत

गढ़चिरोली : महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले के एक रेजिडेंशियल स्कूल में जहरीले सांप के काटने से तीन आदिवासी लड़कियों की मौत हो गई और तीन अन्य का इलाज चल रहा है। जिला प्रशासन ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। यह घटना रविवार आधी रात के आसपास धनोरा तालुका मुख्यालय से लगभग १० किलोमीटर दूर जमलाई गांव में एक सरकारी सहायता प्राप्त आदिवासी रेजिडेंशियल स्कूल के हॉस्टल में हुई। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि लड़कियां स्कूल के हॉस्टल में जमीन पर सो रही थीं, तभी एक जहरीले सांप ने उन्हें काट लिया।

पुलिस ने बताया कि मरने वाली छात्राओं की उम्र ८, १२ और १४ साल की थी। वहीं ११ से १४ साल की उम्र की तीन अन्य लड़कियों का सांप के काटने का इलाज चल रहा है। तीनों अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

यह घटना कुपरलिंगो एजुकेशनल एंड कल्चरल डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट, गढ़चिरोली के चलाए जा रहे एक सहायता प्राप्त प्राथमिक और माध्यमिक आश्रम स्कूल में हुई। यह संस्थान पूर्व सांसद मारोतराव कोवासे से जुड़ा है। अधिकारियों के अनुसार, रात करीब २ बजे एक सांप हॉस्टल के कमरे में घुस गया, जहां लगभग ७९ छात्रएं जमीन पर सो रही थीं। घटना के दौरान कई छात्राओं को सांप के काटने का संदेह है।

मृतक छात्राओं की पहचान छठी कक्षा की छात्रा दीपिका लकड़ा, आठवीं कक्षा की छात्रा सुमिता मंडल और दूसरी कक्षा की छात्रा अनु कोरेटी के रूप में की गई है। गढ़चिरोली के जिला जनरल अस्पताल के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. मनीष मेश्राम ने बताया कि पांचवीं कक्षा की छात्रा दीपिका बिंदुकुसाई मडावी की हालत गंभीर है, जबकि दो अन्य छात्राओं की हालत भी गंभीर है। इस बीच, एहतियात के तौर पर १४ अन्य छात्राओं को जिला अस्पताल में मेडिकल ऑब्जरवेशन में रखा गया है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद कई छात्राएं डर गई थीं और डॉक्टर उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने घटना पर मांगी रिपोर्ट

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्हें मौतों के बारे में शुरुआती जानकारी मिली है और उन्होंने घटना पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुझे सांप के काटने से छात्राओं की मौत की जानकारी मिली है। मैंने घटना के बारे में और जानकारी मांगी है। घटना के बाद, स्वास्थ्य और पुलिस विभागों की टीमों ने जरूरी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारी उन हालात की जांच कर रहे हैं जिनमें सांप हॉस्टल में घुसा और उन घटनाओं के क्रम की भी जांच कर रहे हैं जिनकी वजह से छात्रों को सांप ने काटा।

डीपफेक वीडियो के जरिए पुणे की महिला से ४ लाख की ठगी

पुणे : साइबर अपराधियों ने दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा के डीपफेक वीडियो क्लिप का इस्तेमाल करके एक महिला को झांसा दिया। महिला से ४.०९ लाख रुपये ठग लिए। अंबेगां की रहने वाली ३८ वर्षीय महिला की शिकायत के बाद भारती विद्यापीठ पुलिस ने धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया। शिकायतकर्ता एक प्राइवेट अस्पताल में नर्स का काम करती है।

पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता को सोशल मीडिया पर दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा का एक नकली वीडियो दिखा, जिसमें लोगों से एक स्क्रीम में निवेश करने की अपील की गई थी, जिससे भारत के विकास में मदद मिलेगी। वीडियो में दिए गए लिंक को महिला ने क्लिक किया।

शेयर बाजार में झुंसेट करने का दिया झांसा

महिला ने इस लिंक को खोलने के लिए अपना सारा डीटेल भरा और उसके सभ्मि्ट कर दिया। उसके बाद उन्हें एक ऐप डाउनलोड करवाया गया। महिला ने ऐसा ही किया। फिर मनुमोहन नाम के एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने उन्हें अच्छे रिटर्न का भरोसा दिलाते हुए वर्ल्ड ट्रेडेक्स कंपनी में पैसे निवेश करने के लिए कहा। उनकी बातों पर भरोसा करके, उन्होंने धोखेबाजों के बताए गए बैंक अकाउंट में ऑनलाइन ४.०९ लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।

९ अक्टूबर २०२४ और १३ जून २०२५ के बीच, पीड़ित ने ११ ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए धोखाधड़ी करने वालों द्वारा बताए गए कई बैंक अकाउंट में ४,०९,१०० रुपये ट्रांसफर किए। साइबर धोखाधड़ी करने FIR में कहा गया है कि जब उसने लिंक चेक किया, तो उसमें उसके निवेश पर भारी मुनाफा दिख रहा था। लेकिन जब उसने उस लिंक के जरिए अपने पैसे निकालने की कोशिश की, तो उससे और पैसे ट्रांसफर करने के लिए कहा गया। ठगी का एहसास होने पर, उस महिला ने पुणे शहर के साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। उनकी शिकायत की पुष्टि के बाद, इस मामले में अज्ञात साइबर धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धाराओं के तहत FIR दर्ज की गई।

सड़क खुदाई पर गडकरी का अल्टीमेटम!

नागपुर : नाग नदी प्रोजेक्ट के प्रस्तावित कामों और नदी के किनारे से अतिक्रमण हटाने के बाद पुनर्वास के बारे में महल स्थित केंद्रीय मंत्री के ऑफिस में एक बैठक हुई। इसमें नितिन गडकरी ने उन एजेंसियों को कड़ी चेतावनी दी है जो सड़कें खोदती हैं। चाहे अटल शहरी कायाकल्प और परिवर्तन मिशन (AMRUT) के लिए हों या अन्य प्रोजेक्ट्स के लिए और उन्हें उनकी पुरानी हालत में वापस नहीं लाती हैं। गडकरी ने प्रशासन को साफ आदेश दिया कि अगर नाग नदी प्रोजेक्ट के लिए खोदी गई सड़कों को ठीक नहीं किया गया, तो जिम्मेदार अधिकारी को सस्पेंड किया जाए और संबंधित कॉन्ट्रैक्टर को ब्लैकलिस्ट किया जाए। इस कदम का मकसद नाग नदी प्रोजेक्ट के लिए खुदाई का काम करने वाली एजेंसियों की जवाबदेही तय करना है।

नाग नदी प्रोजेक्ट में क्या होगा?

दरअसल नाग नदी प्रोजेक्ट में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और सीवेज लाइनें बनाना शामिल है। पांच चरणों में लागू होने वाले इस प्रोजेक्ट के लिए शहर के पश्चिम, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण, मध्य और पूर्वी विधानसभा क्षेत्रों में कई सड़कों की खुदाई करनी होगी। लोगों को

नाग नदी के कामों को लेकर चेतावनी, अधिकारी होंगे सस्पेंड



पहले भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था। क्योंकि AMRUT योजना के कामों के लिए खोदी गई सड़कें कई जगहों पर ठीक नहीं की गई थीं। इस अनुभव को ध्यान में रखते हुए गडकरी ने निर्देश दिया कि नाग नदी प्रोजेक्ट में खुदाई और सड़क को ठीक करने, दोनों कामों के लिए अत्याधुनिक मशीनों का इस्तेमाल किया जाए।

गडकरी ने दिए निर्देश

उन्होंने अधिकारियों से यह भी पूछा कि AMRUT और अन्य योजनाओं के तहत काम के दौरान सबसे अच्छी उपलब्ध टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल क्यों नहीं किया गया और उन्हें यूटिलिटी मैपिंग टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को

प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। गडकरी ने सड़क की खुदाई के काम के दौरान पानी, गैस, बिजली और टेलीकमयुनिकेशन जैसी अलग-अलग यूटिलिटीज की पाइपलाइनों और केबलों को नुकसान से बचाने के लिए एक स्थायी यूटिलिटी मैपिंग सिस्टम बनाने का मुद्दा उठाया। जब अधिकारियों ने बताया कि अंडरग्राउंड यूटिलिटीज के मैप अभी उपलब्ध नहीं हैं, तो गडकरी ने अगले सौ सालों को ध्यान में रखते हुए सभी तरह की पाइपलाइनों के लिए सड़कों के नीचे एक 'कॉमन डकट' बनाने का सुझाव दिया।

नाग नदी में प्रदूषण पर रोक

गडकरी ने इस बात पर ध्यान

दिलाया कि नाग नदी का प्रदूषित पानी भंडारा जिले के साथ-साथ नागपुर जिले के कुछ तालुकों के इलाकों को भी प्रभावित कर रहा है। उन्होंने म्युनिसिपल कमिश्नर और जिला कलेक्टर को ठोस उपाय करने का निर्देश दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रदूषित पानी से लोगों की सेहत को नुकसान न हो और खेती के लिए साफ पानी उपलब्ध हो।

२,५०० परिवारों का पुनर्वास

नाग नदी के किनारों से १५ मीटर के दायरे में बनी अवैध बस्तियों और झुगियाँ को हटाया जाएगा। म्युनिसिपल कमिश्नर ने उन्हें बताया कि इसके लिए लगभग २,५०० परिवारों के पुनर्वास की जरूरत होगी। इसके जवाब में गडकरी ने अधिकारियों को म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और नागपुर इम्पूवमेंट ट्रस्ट (NIT) को खाली जमीनों का सर्वे करने और ५,००० तक घरों को बसाने लायक प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने पुनर्वास प्रक्रिया के दौरान सभी जरूरी दस्तावेज (जैसे निवास का प्रमाण) जमा करवाकर, प्रोजेक्ट से प्रभावित लोगों और अतिक्रमण करने वालों की पात्रता की जाँच करने पर भी जोर दिया।

मुंबई में एफडीए को ब्लिंक इट के एक स्टोर में मिले कॉकरोच

मुंबई : महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) ने क्लिक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंक इट के एक वेयरहाउस में नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की है। एफडीए ने कंपनी के मलाड वेस्ट स्थित डार्क स्टोर का फूड लाइसेंस सस्पेंड कर दिया है। एफडीए के अनुसार, स्टोर में जांच के दौरान बहुत ज्यादा कॉकरोच, एक्सपायर फूड स्टॉक और साफ-सफाई के कई नियमों का उल्लंघन पाया गया। अभी मुंबई में आईएसएस तुकाराम मुंढे का एक्शन जारी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई सिर्फ एक स्टोर पर की गई है। ब्लिंक इट के पूरे फूड ऑपरेशन को सस्पेंड नहीं किया गया है।

कई बड़े ब्रांडेड रेस्टोरेंट, होटल समेत फूड स्टोर पर कार्रवाई

महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने हाल के दिनों कई बड़े ब्रांडेड रेस्टोरेंट, होटल समेत फूड स्टोर पर कार्रवाई की है। विभाग ने इतने फूड सैंपल लिए हैं, जिसकी जांच के लिए रविवार को भी कर्मचारी काम कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, एफडीए ने बीते ७



अगस्त को मलाड वेस्ट के रामचंद्र लेन स्थित कंपनी के स्टोर की चेकिंग की थी। विभाग का दावा है कि जांच में स्टोर में रखी सब्जियाँ और फलों पर कॉकरोच मिले। एफडीए ने इसे बहुत ज्यादा गंदा बताते हुए इस स्टोर का फूड लाइसेंस तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। आदेश में बताया गया है कि निलंबन की अवधि के दौरान उस जगह से फूड प्रोडक्ट बेचने, बांटने या बिजनेस करने पर रोक लगा दी गई है।

१४,३७८ लीटर डेयरी प्रोडक्ट जब्त

एफडीए ने ८ अगस्त को बुलढाणा के एआरडी सिनेमॉल के रिलायंस रिटेल आउटलेट की जांच की। यह कार्रवाई एक खास ब्रांड

की काजू कतली में फंगस और जिंदा कीड़े होने की शिकायत के आधार पर की गई थी। कार्रवाई के दौरान अफसरों ने उसी तरह के दूसरे बैच से १०,२३८ रुपये कीमत की ११.३४ किलो काजू कतली जब्त की और सैपल लैब में जांच के लिए भेजे। इसके अलावा दूध और डेयरी प्रोडक्ट में मिलावट के खिलाफ अभियान भी चल रहा है। स्पेशल ड्राइव के तहत लगभग १४,३७८ लीटर डेयरी प्रोडक्ट जब्त किए गए, जिनकी कीमत ९३.२६ लाख रुपये आंकी गई थी। बता दें इससे पहले एफडीए ने अमेजन के भिवंडी वेयरहाउस पर भी छापेमारी की थी। यह मामला अभी बांबे हाई कोर्ट में चल रहा है।

NDA में शामिल होने और परिसीमन बिल की अटकलों को किया खारिज

शरद पवार गुट के सांसदों ने PM से की मुलाकात

मुंबई : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के एनडीए में शामिल होने की अटकलों के बीच सोमवार को बारामती की सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में पार्टी सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। २० मिनट की इस बैठक के बाद शिरूर के सांसद डॉ अमोल कोल्हे ने बातचीत की जानकारी दी और राजनीतिक गठजोड़ या आने वाले कानूनों से जुड़ी खबरों को साफ तौर पर खारिज कर दिया। हालांकि इस मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई कि क्या एनसीपी (एसपी) परिसीमन बिल पर एनडीए सरकार का समर्थन करेगी। दूसरी ओर बीजेपी ने इस मुलाकात को स्वाभाविक बताया है।

अमोल कोल्हे ने क्या बताया?

शरद पवार गुट की एनसीपी के सांसद डॉ अमोल कोल्हे ने बताया कि बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र के नीतिगत मुद्दों, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ी कई मांगें रखीं। बैठक की शुरुआत में पीएम मोदी ने वरिष्ठ नेता शरद पवार की सेहत के बारे में पूछा। पवार के काम करने के तरीके और राजनीतिक सफर की तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी ऊर्जा और लगन सार्वजनिक जीवन में सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

महाराष्ट्र के प्रमुख समाज सुधारकों को भारत रत्न देने की मांग प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत के दौरान एनसीपी (SP) के सांसदों ने कई अहम क्षेत्रीय मांगें रखीं। प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र के प्रमुख समाज सुधारकों और सांस्कृतिक हस्तियों- महात्मा ज्योतिराव फुले, क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले, लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे और राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' देने का अनुरोध किया। बीड जिले में सूखे की स्थिति का जिक्र करते हुए सांसद बजरंग सोनवणे ने सरकार से उजानी बांध से मांजरा बांध में पानी छोड़ने का आग्रह किया। इसके अलावा सांसदों ने गंधी बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद के मकसद से पीएम केयर्स फंड के तहत अपने निर्वाचन क्षेत्र का कोटा बढ़ाने का अनुरोध किया।

पीएम मोदी से क्या की डिमांड?

सांसदों सुरेश (बायला मामा) म्हात्रे और डॉ अमोल कोल्हे ने केंद्र से अनुरोध किया कि वे राज्य सरकार के प्रस्ताव के आधार पर नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम दिवंगत नेता डी.बी. पाटिल के नाम पर रखने के अंतिम फैसले में तेजी लाएं। डॉ कोल्हे ने बताया कि प्रधानमंत्री का ध्यान नासिक-पुणे हाई-स्पीड रेलवे लाइन, पुणे-नासिक मेट्रो, छत्रपति संभाजीनगर में पीएम



गति शक्ति योजनाओं, जेएनपीटी पोर्ट के विस्तार और कल्याण-मुर्बाद रेलवे लाइन जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में तेजी लाने की ओर दिलाया गया। सांसद नीलेश लंके ने कैसर के इलाज के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार को लेकर चिंता जताई, साथ ही चंद्रभागा नदी में प्रदूषण को नियंत्रित करने और किसानों के लिए प्याज की कीमतों से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सांसद सुप्रिया सुले ने दोहराया कि किसी भी राजनीतिक विषय पर चर्चा नहीं हुई। उन्होंने जोर देकर कहा कि चूंकि संसद सत्र में रुकावटें आ रही थीं, इसलिए जनता और निर्वाचन क्षेत्र की जरूरी शिकायतों को प्रधानमंत्री के ध्यान में लाने के लिए सीधे संपर्क करना जरूरी था। डॉ कोल्हे ने कहा कि महाराष्ट्र की दरक्री के लिए राजनीतिक मतभेदों को किनारे रखकर रचनात्मक

सुप्रीम कोर्ट ने उबाठा के ६ सांसदों के विलय पर नहीं लगाई रोक

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) यानी शिवसेना UBT के सांसद अरविंद गणपत सावंत की उस याचिका पर सुनवाई दो सप्ताह के लिए टाल दी, जिसमें लोकसभा स्पीकर द्वारा UBT के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी देने के फैसले को चुनौती दी गई है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने यह कहते हुए सुनवाई स्थगित की कि लोकसभा स्पीकर की ओर से कोई पेश नहीं हुआ।

कोर्ट ने २२ जुलाई को मामले में प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया था। सोमवार को शिंदे गुट के कुछ विधायकों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल और सिद्धार्थ भटनगर पेश हुए, लेकिन लोकसभा स्पीकर की ओर से कोई उपस्थित नहीं था। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि मामले में तत्काल अंतरिम राहत देने की जरूरत है। हालांकि, बेंच ने कहा कि अंतरिम राहत पर फैसला लेने से पहले प्रतिवादियों को जवाब देने का उचित अवसर दिया जाएगा।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत ने आरोप लगाया कि प्रतिवादियों की कोशिश संसद के मौजूदा मानसून सत्र के खत्म होने तक मामले को टालने की है। कपिल सिब्बल ने दलील दी कि जब सांसदों के खिलाफ संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत कोई अयोग्यता याचिका ही लंबित नहीं थी, तब लोकसभा स्पीकर के पास विलय को मंजूरी देने का अधिकार नहीं था। उन्होंने कहा कि दसवीं अनुसूची के तहत स्पीकर की भूमिका किसी अयोग्यता याचिका के संदर्भ में ही सामने आती है।

UBT को नहीं दिया सुनवाई का मौका

सिब्बल के मुताबिक, स्पीकर इस प्रावधान के तहत किसी आवेदन के बचाव में ही विलय के मुद्दे पर निर्णय कर सकते हैं और उनके पास कोई व्यापक या 'प्लेनरी' अधिकार नहीं है। सिब्बल ने यह भी आरोप लगाया कि स्पीकर ने UBT गुट को सुनवाई का कोई अवसर नहीं दिया। हालांकि, बेंच ने ध्यान दिलाया कि लोकसभा स्पीकर और लोकसभा के संयुक्त सचिव की ओर से अभी कोई पेश नहीं हुआ है। सिब्बल ने कोर्ट को बताया कि दोनों को नोटिस की तामील हो चुकी है।

२२ जुलाई को अंतरिम रोक से किया था इनकार

इस मामले की पिछली सुनवाई २२ जुलाई को हुई थी। तब सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा स्पीकर को नोटिस जारी किया था, लेकिन विलय के फैसले पर तत्काल अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

'धक-धक गर्ल'को लेकर तुकाराम मुंढे का खुलासा

मुंबई : IAS अधिकारी और महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के कमिश्नर तुकाराम मुंढे ने हाल ही में UPSC सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के दौरान की एक अनोखी याद के बारे में बताया। पुणे के बालगंधर्व रंगमंदिर में 'अनस्टॉपेबल तुकाराम' नाम के एक ओपन इंटरव्यू हुआ। इस दौरान इस अधिकारी ने बताया कि कैसे उनके दोस्त पंकज एक बार बॉलीवुड स्टार माधुरी दीक्षित की डॉ. श्रीराम नेने से शादी की खबर सुनकर अचानक रो पड़े थे। तुकाराम मुंढे ने कहा कि वह इससे परेशान हो गए थे। उन्होंने बताया कि पंकज अभी कस्टम्स कमिश्नर हैं।

यह घटना १९९८-९९ के आसपास की है, जब दोनों UPSC मेन्स परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। उनकी जिंदगी कितानों के इर्द-गिर्द घूमती थी। दोनों दोस्त देर रात तक पढ़ाई करते थे और बस कुछ घंटे ही सोते थे।

रात में साथ करते थे पढ़ाई

तुकाराम मुंढे ने याद करते हुए कहा कि हम दोनों देर रात तक पढ़ाई करते थे। वह मुझसे एक-दो घंटे बाद सोता था। मैं सुबह दो या तीन बजे के आसपास सोता था, जबकि वह तीन या चार बजे के आसपास सोता था और थोड़ी देर से उठता था। तुकाराम मुंढे ने बताया कि जागने के बाद वे फिर से पढ़ाई शुरू कर देते थे। दोनों अक्सर अपने कमरे और लाइब्रेरी के बीच बने कॉरिडोर में बैठकर पढ़ते थे। एक सुबह, लगभग १० या १०:३० बजे, पंकज पीछे से उनके पास आया, अपना हाथ उनकी गर्दन के चारों ओर रखा और रोने लगा।

'अचानक एक सुबह आकर पंकज रोने लगा'

तुकाराम मुंढे के लिए यह नजारा चौंकाने वाला था, खासकर इसलिए क्योंकि उनके दोस्त ने तुरंत कोई वजह नहीं बताई। मुंढे ने कहा कि उसे रोते हुए देखकर मैं चौंक गया। मैंने उससे पूछा कि क्या हुआ है। लेकिन वह रोता रहा।

वजह? माधुरी दीक्षित की शादी हो गई थी



आखिरकार पंकज ने तुकाराम मुंढे से पूछा कि क्या उन्होंने उस सुबह अखबार पढ़ा था। मुंढे ने अखबार देखा लेकिन शुरू में उन्हें समझ नहीं आया कि उनके दोस्त की परेशानी की वजह क्या हो सकती है। यह रहस्य तब खुला जब पंकज ने अपने अपने रोने की

वजह बताई। मुंढे ने याद करते हुए कहा कि उसने कहा, 'अरे, माधुरी की शादी हो गई।' मैंने पूछा, 'तो क्या हुआ?' फिर उसने जवाब दिया, 'माधुरी दीक्षित...' इस बात को सुनकर दर्शक हंस पड़े।

तुकाराम मुंढे ने बॉलीवुड में

अपने क्रश का नाम राज ही रखा।

इस बातचीत के दौरान तुकाराम मुंढे से एक और निजी सवाल पूछा गया कि उन दिनों वह किस बॉलीवुड एक्टर या एक्ट्रेस को पसंद करते थे? हालांकि उन्होंने कहा कि इसका जवाब देना शायद सही नहीं होगा। उन्होंने मजाकिया अंदाज़ में कहा कि जहां तक मेरी पसंद की बात है, तो मैं अभी इसका खुलासा करने की हिम्मत नहीं करूंगा। मेरी शादीशुदा जिंदगी अच्छी चल रही है। उनके इस जवाब पर दर्शक फिर से हंस पड़े।

बातचीत के दौरान तुकाराम मुंढे ने अपने बचपन,

एनसीपी (एसपी) के नेता और प्रवक्ता

महेश तापसे ने कहा कि शरद पवार गुट की राष्ट्रीय नेता और सदन में फ्लोर लीडर सांसद सुप्रिया सुले की अगुवाई में सभी सांसदों ने देश के प्रधानमंत्री से मुलाकात की। यह पहले से तय और पूरी तरह से खुली बैठक थी, जो संसद परिसर में प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई। यह बैठक हमारे सांसदों के संबंधित चुनाव क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी। इस बैठक में महाराष्ट्र से जुड़े कई मुद्दों पर बात हुई। एनसीपी का प्रतिनिधित्व ग्रामीण ठाणे जिले से लेकर विदर्भ के वर्धा जिले तक फैला हुआ है। इस तरह हमारे लगभग सभी रेवेन्यू जिले इसमें शामिल हैं।

कांग्रेस नेता नसीम खान ने कहा कि जिस तरह से चर्चा हो रही है और खबरें आ रही हैं, उसे देखते हुए हमें नहीं लगता कि एनसीपी (एसपी) के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का प्रधानमंत्री से मिलना गलत है। अगर कोई प्रतिनिधिमंडल या सांसद अपने राज्य के निर्वचन क्षेत्र के विकास पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री या किसी केंद्रीय मंत्री से मिलते हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन, जिन खबरों का जिक्र किया जा रहा है, उनके बारे में मेरा मानना ​​है कि शरद पवार जो देश में शाहू, फुले और अंबेडकर की विचारधारा को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख नेता रहे हैं, वह उस बिल का समर्थन नहीं करेंगे, जिसे भारतीय जनता पार्टी लाना चाहती है।

युवा शक्ति को बर्बाद कर रहा माफिया तंत्र : योगी

नई दिल्ली : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया तंत्र, नशे की लत और विपक्ष की राजनीति पर हमला बोला. इस दौरान उन्होंने माफिया संस्कृति को युवाओं का सबसे बड़ा दुश्मन करार दिया. सीएम योगी ने युवाओं को खेलों से जुड़ने और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का भी संदेश दिया. सीएम योगी गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता के समापन समारोह में पहुंचे थे. यहां उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों और विपक्ष पर निशाना साधा.

मुख्यमंत्री ने कहा, 'उस समय की सरकारों के एजेंडे में खेल नहीं था, युवा नहीं था. आज जो लोग युवा-युवा करके चिढ़ा रहे हैं, युवा इनके एजेंडे में कभी नहीं था, ये सिर्फ आपका गलत इस्तेमाल करना चाहते हैं.' उन्होंने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए आगे कहा, 'आपके हितों के लिए जब इनको मौका मिला था सत्ता में रहने का, तब इन्होंने आपके हितों के लिए कुछ नहीं किया, तब सब कुछ माफिया की गिरफ्त में डाल दिया.'



योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'युवा शक्ति का सबसे बड़ा दुश्मन है माफिया प्रवृत्ति! वो शिक्षा माफिया हो, खेल माफिया हो या फिर पेशेवर माफिया, ड्रग माफिया हो या किसी भी फील्ड का माफिया. अगर वो माफिया प्रवृत्ति बढ़ेगी तो युवा शक्ति को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचेगा.' उन्होंने जोर देकर कहा कि युवा शक्ति को इस खतरे से बचाने के लिए सकारात्मक सोच के साथ खेल संस्कृति को आगे बढ़ाना बेहद जरूरी है. इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार लगातार कोशिश कर रही है.

जल्द आएगी नई युवा नीति
सीएम योगी ने युवाओं में बढ़ती स्मार्टफोन की लत पर चिंता जताते हुए कहा कि आज तकनीक का सही इस्तेमाल करने के बजाय स्मार्टफोन युवाओं का समय बर्बाद कर रहा है. खेलों से जुड़कर युवा नशे और गलत आदतों से दूर रह सकते हैं. मुख्यमंत्री ने एलान किया कि प्रदेश के युवाओं की ऊर्जा और क्षमता का सही इस्तेमाल करने के लिए सरकार जल्द ही एक नई युवा नीति लेकर आ रही है. खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार हर स्तर पर सुविधाएं मुहैया करा रही है.

चढ़ावा चोरी में SIT ने सिर्फ 8 लोगों को माना गुनहगार चंपत को क्लिन चिट

नई दिल्ली : राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में SIT ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के पूर्व महासचिव चंपत राय को क्लिन चिट दे दी है. राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर उत्तर प्रदेश के गृह विभाग ने SIT का गठन किया था. SIT ने अपनी जांच रिपोर्ट सौंप दी है. SIT की इस रिपोर्ट में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के पूर्व महासचिव चंपत राय का नाम आरोपी के तौर पर शामिल नहीं है. इस रिपोर्ट में सिर्फ चोरी करने वाले आठ लोगों को ही आरोपी माना गया है. इस रिपोर्ट में अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रमाशंकर यादव उर्फ टिटू को आरोपी माना गया है. अनिल मिश्रा अभी जांच के दायरे में हैं.

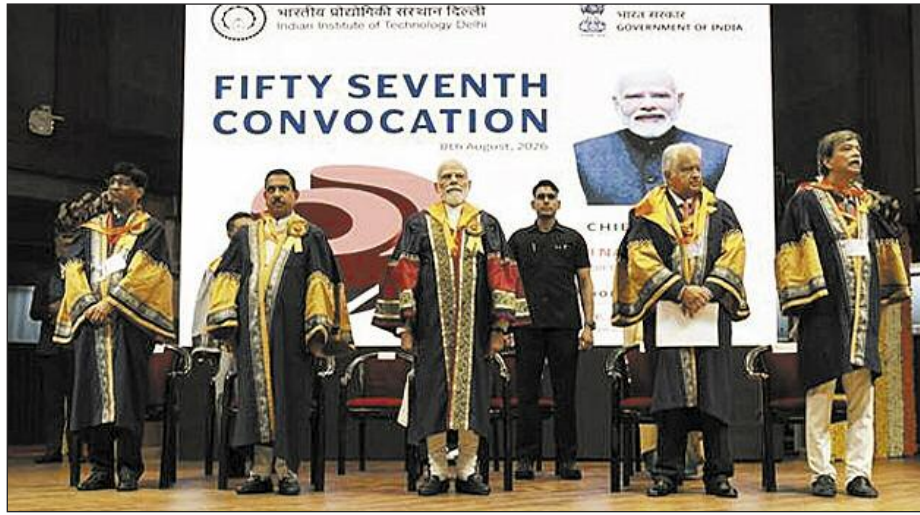
बता दें, चंपत राय और अनिल मिश्रा ने मामले में जांच शुरू होने के बाद अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था. इस्तीफे के बाद चंपत राय ने अयोध्या में चार महीने की चातुर्मास साधना शुरू करने का फैसला किया था. वे 21 नवंबर तक अयोध्या में ही रहकर राम मंत्र का जाप और रामचरितमानस का पाठ करेंगे. वे रोज करीब छह घंटे मौन रहकर साधना करते हैं. 7 जून से वे

रामकोट स्थित तीर्थ क्षेत्र भवन में एकांतवास में हैं.

दूसरी तरफ, अयोध्या में राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद के लिए चयन प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है. इस पद के लिए इंटरव्यू का दौरा पूरा हो चुका है. अब तीन नामों का एक फाइनल पैनल तैयार कर लिया गया है. सूत्रों के मुताबिक, इस पद की रेस में उत्तर प्रदेश के दो जाने-माने अधिकारी सबसे आगे चल रहे हैं. सूत्रों के मुताबिक, इस रेस में योगेश्वर राम मिश्रा और राजेश पांडे के नाम पर सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है. राम मंदिर के सीईओ पद के लिए चयन प्रक्रिया काफी लंबी और कड़ी रही है. शुरुआत में देश भर से 5,585 आवेदन मिले थे. इनमें से 3,877 उम्मीदवारों ने अपना विस्तृत बायोडेटा (CV) उपलब्ध कराया था जिसके बाद इंटरव्यू का दौरा शुरू हुआ था.

इन आठ लोगों को माना दोषी
एसआईटी की इस रिपोर्ट में अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रमाशंकर यादव उर्फ टिटू को आरोपी माना गया है.

आईआईटी दिल्ली के ५७ वें दीक्षांत समारोह को प्रधानमंत्री किया संबोधित



नई दिल्ली : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली का ५७वां दीक्षांत समारोह आज संस्थान परिसर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित किया गया। अपने संबोधन में, प्रधानमंत्री ने स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को बधाई दी और भारत की विकास यात्रा को आकार देने में नवाचार, अनुसंधान और उभरती तकनीकों के महत्व पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत नए क्षेत्रों में कदम रख रहा है और देश बड़ी जिम्मेदारी और उम्मीदों के साथ अपने युवाओं की ओर देख रहा है। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा केंद्र, महत्वपूर्ण खनिज, गहरे

समुद्र की खोज और क्रांति कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों पर जोर दिया, जो देश के भविष्य के लिए अहम हैं। उन्होंने युवाओं को देश निर्माण में योगदान देने और इन अत्याधुनिक क्षेत्रों में अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

५७ वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भारत की शिक्षा प्रणाली अब "शिक्षार्थी-केंद्रित, अनुसंधान-आधारित और भविष्य के लिए तैयार" हो गई है और देश के युवा अब केवल दुनिया से प्रतिस्पर्धा ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि इसका नेतृत्व भी कर रहे हैं। श्री जोशी ने बताया कि प्रधानमंत्री

ने हमेशा भारत के युवाओं की क्षमता पर बहुत भरोसा किया है और वे उन्हें "विकसित भारत २०४७ के प्रमुख निर्माता" मानते हैं।

प्रधानमंत्री ने मेधावी छात्रों को प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किए, जिनमें राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, निदेशक स्वर्ण पदक, शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक और उत्तम दस (परफेक्ट टेन) पदक शामिल हैं। इस मौके पर, उन्होंने आईआईटी दिल्ली में "परम प्रज्ञा" एआई आधारित उच्च-प्रदर्शन सुपरकंप्यूटिंग और परियोजना केंद्र सुविधा का उद्घाटन भी किया, जो देश में उन्नत अनुसंधान अवसरचना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जालंधर के श्री तलहन साहिब जी की अनोखी परंपरा

जहां मन्नत पूरी होने पर चढ़ते हैं खिलौने वाले प्लेन

जालंधर : पंजाब की धरती को गुरुओं की धरती कहा जाता है और पंजाब में ऐसे कई धार्मिक स्थल भी हैं जहां लोगों की आस्था और श्रद्धा जुड़ी हुई है. पंजाब में कई ऐसे प्राचीन श्री गुरुद्वारा साहिब भी हैं, जहां लोग मन्नत मांगते हैं और मनोकामना पूरी होने पर विशेष सेवा करते हैं. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे श्री गुरुद्वारा साहिब के बारे बताएंगे जहां एक अनोखी परंपरा है.

हम बात कर रहे हैं जालंधर के तलहन स्थित गुरुद्वारा श्री तलहन साहिब जी की. यहां लोग अपनी मनोकामना पूरी होने पर हवाई जहाज चढ़ाने आते हैं. जालंधर शहर से लगभग १२ किलोमीटर दूर स्थित गुरुद्वारा श्री तलहन साहिब जी को शहीद बाबा निहाल सिंह जी गुरुद्वारा साहिब के नाम से भी जाना जाता है. इस गुरुद्वारे से लोगों की आस्था

जुड़ी हुई है. यह गुरुद्वारा अपनी अनूठी परंपरा के लिए न सिर्फ पंजाब, बल्कि विदेश में भी बहुत प्रसिद्ध है. कहते हैं कि गुरुद्वारा साहिब आने वाले लोग विदेश जाने की मन्नत मांगते हैं और मन्नत पूरी हो जाने पर खिलौने वाला हवाई जहाज चढ़ाते हैं. इसी वजह से 'हवाई जहाज वाला गुरुद्वारा' भी कहा जाता है. यह परंपरा यहां कई सालों से चली आ रही है. मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु यहां अपनी मनोकामना लेकर आते हैं, वो जरूर पूरी होती है. कहते हैं कि यदि किसी व्यक्ति का पासपोर्ट या वीजा बनने में कोई रुकावट आ रही है तो यहां खिलौने वाला हवाई जहाज चढ़ाकर अरदास लगाने से विदेश जाने में आ रही बाधाएं दूर होती हैं. जब लोगों की मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं, तब वह यहां



खिलौने वाला हवाई जहाज चढ़ाने आते हैं और सामर्थ्य के अनुसार सेवा और दान करते हैं. हर महीने हजारों लोग यहां अपना वीजा या पासपोर्ट पूरे होने की मनोकामना लेकर आते हैं. रविवार के दिन यहां भक्तों की काफी भीड़ रहती है.

यहां आए एक श्रद्धालु ने को बताया कि उनके भाई ने विदेश जाने की मन्नत मांगी थी और इसलिए वह गुरुद्वारा साहिब में नतमस्तक होने आए हैं. उन्होंने बताया कि

२ साल पहले उनके घरवालों ने ये मन्नत मांगी थी और पिछले महीने ही उनका भाई विदेश चला गया. अब मन्नत पूरी होने पर वो खिलौने वाला हवाई जहाज चढ़ाने गुरुद्वारा साहिब आए हैं.

वह ६ साल से इस गुरुद्वारा साहिब में माथा टेकने आ रहे हैं और उनका विश्वास है कि यहां लोगों की मन्नतें पूरी होती हैं. न्यूजीलैंड जाएगा पंजाब पुलिस का जवान यहां आए एक अन्य श्रद्धालु सतिदर सिंह ने कहा कि वह पंजाब पुलिस में कार्यकर्ता हैं. लेकिन विदेश जाने का उनका सपना अब पूरा हो रहा है. उन्होंने विदेश जाने के लिए मन्नत मांगी थी और अब अगले साल वह न्यूजीलैंड जा रहे हैं. अमृतसर से आए परमजोत सिंह ने कहा कि ४ साल पहले वह अपनी पत्नी के साथ इस गुरुद्वारे में आए थे. अब ४ साल बाद फिर से अपनी पत्नी और बेटे के साथ आए हैं. उन्होंने भी यहां परिवार सहित विदेश जाने की अरदास लगाई है.

सीफूड बाजार में २०% हिस्सेदारी पर भारत की नजर

समंदर में छिपा कमाई का खजाना

पीएम नरेन्द्र मोदी ने लालकिले से दूसरी बातों के अलावा ब्ल्यू इकोनॉमी पर भी बात की. लेकिन ये कोई पहला मौका नहीं था जब वो ब्ल्यू इकोनॉमी को बढ़ावा देने या उसके बढ़ने की बात कर रहे हों. पहली बार पीएम बनने के बाद भी उन्होंने ब्ल्यू इकोनॉमी की बात की थी. इसी के चलते उन्होंने २० हजार करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) शुरू की थी. अगर आज फिर वो ब्ल्यू इकोनॉमी पर बात कर रहे हैं तो उसके पीछे भी बड़ी वजह है. आज देश की नजर १९० बिलियन डॉलर वाले सीफूड बाजार के २० फीसद हिस्से पर है. भारतीय झींगा की डिमांड लगातार बढ़ रही है. यूरोपीय देशों में भी हमारा झींगा खूब पसंद किया जा रहा है. सीफूड एक्सपोर्ट में एक बड़ा हिस्सा आज भी झींगा का ही है. फिशरीज न्यूट्रीशन सिक्योरिटी, हेल्दी और सस्ता प्रोटीन देने वाला सेक्टर है. इसलिए ये तेजी से बढ़ रहा है. जबकि भारत में तो दुनियाभर में पसंद की जाने वाली महंगी टूना मछली की भरमार है. फिशरीज सेक्टर में क्लस्टर मॉडल अपने की सलाह दी जा रही है. एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए ही मरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी (MPEDA) मछली से बने प्रोडक्ट तैयार करने पर जोर दे रही है. सीफूड उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है. अगर इनलैंड मछली उत्पादन की बात करें तो आंकड़ा चीने को भी पीछे छोड़ने को तैयार है. मछली और दूसरे प्रोडक्ट के उत्पादन की बात करें तो आंकड़ा दो लाख टन से कुछ ही कदम दूर है. सीफूड एक्सपोर्ट का आंकड़ा ६२ हजार करोड़ रुपये बढ़कर ९० हजार करोड़ रुपये को पार कर चुका है. आज भी अमेरिका, चीन और यूरोप हमारे बड़े खरीदार देशों में हैं. गौरतलब रहे साल

२०१३१४ में ३०.२१३ करोड़ का एक्सपोर्ट हुआ था, जो बढ़कर २०२५२६ में ७० हजार करोड़ रुपये का हो गया है. इसमें भी एक बड़ी हिस्सेदारी झींगा एक्सपोर्ट की है. लेकिन सरकार का मकसद इस आंकड़े को एक लाख करोड़ रुपये तक ले जाने का है. इसके लिए सरकार रेडी-टू-ईट, रेडी-टू-कुक और वैल्यू एडिशन पर काम कर रही है. केन्द्र सरकार का कहना है कि एक्सपोर्ट के आंकड़े को एक लाख करोड़ तक पहुंचाने के लिए भारत मूल्य-वर्धित समुद्री खाद्य निर्यात को बढ़ाएगा और ईईजेड तथा खुले समुद्र से समुद्री क्षमता का पूरा इस्तेमाल करेगा. बेहतर ऑनबोर्ड हैंडलिंग, मजबूत कोल्ड चेन, बेहतर पैकेजिंग, मूल्य संवर्धन तथा फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने और निर्यात तंत्र को मजबूत करने के लिए वैकल्पिक बाजारों की खोज की जाएगी. वहीं सीफूड एक्सपोर्टर्स को ईआईसी, एनसीडीसी, नाबाई और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय जैसी संस्थाओं का पूरा सहयोग मिलेगा. समुद्री केज कल्चर, मोती की खेती और गहरे समुद्र में मछली पकड़ने वाले जहाजों के क्षेत्रों में निवेश में तेजी आई है. देश में मछली उत्पादन १९० लाख टन से ऊपर पहुंच गया है. झींगा उत्पादन भी लगातार बढ़ रहा है. सीफूड एक्सपोर्ट ७० हजार करोड़ से ज्यादा का हो चुका है. यही वजह है कि अब देश की नजर वर्ल्ड के इंटरनेशनल सीफूड बाजार पर है. फिशरीज एक्सपोर्ट की मानें तो विश्व में मछली से बने आइटम (वैल्यू एडेड प्रोडक्ट) का बाजार तेजी से बढ़ रहा है. अभी ये बाजार करीब १९० बिलियन डॉलर का है. भारत की इसमें आठ बिलियन डॉलर की हिस्सेदारी है. जबकि देश का टॉरगेट अब कुल



बाजार का २० फीसद हिस्सा है. फिशरीज डिपार्टमेंट से जुड़े एक्सपोर्ट की मानें तो प्लान के मुताबिक साल २०३० तक फिश वैल्यू एडेड प्रोडक्ट को डबल से भी ज्यादा करने के लिए अभी चार साल बाकी हैं. इसी को ध्यान में रखते हुए प्लान बनाया गया है. इसके लिए सबसे पहले तो बुनियादी ढांचा तैयार करने, प्रोडक्ट उत्पादन की क्षमता बढ़ाने और लेबर को ट्रेनिंग देने का काम चल रहा है. विदेशी एक्सपोर्ट से भी लेबर को ट्रेनिंग दिलाई जा रही है. पहले दौर की ट्रेनिंग के लिए एक्सपोर्ट के तौर पर वियतनाम से ट्रान कोक सोन और चू थी तुयेट माई को बुलाया गया था. लेबर को २२ तरह के प्रोडक्ट तैयार करने की ट्रेनिंग दिलाई जा रही है. सीफूड एक्सपोर्टर ने एमपीडा से मांग करते हुए कहा है कि मौजूदा वक्त में सीफूड तैयार करने में इस्तेमाल होने वाले तमाम आइटम फीस के साथ इंपोर्ट किए जा रहे हैं. मछली से तैयार होने वाले आइटम के लिए ब्रेड क्रम्स,

सॉस, प्री-डस्ट और प्लास्टिक ट्रे की जरूरत होती है. इसलिए ऐसे आइटम पर से इंपोर्ट ड्यूटी हटाई जाए. साथ ही उनका कहना है कि वैल्यू एडेड प्रोडक्ट के एक्सपोर्ट को बढ़ाने के लिए ये भी जरूरी है कि इंपोर्ट की एफओबी ड्यूटी में छूट को बढ़ाया जाए. भारत से फिश एक्सपोर्ट लगातार बढ़ रहा है. लेकिन अब हमारी नजर मछली से बने आइटम (वैल्यू एडेड प्रोडक्ट) पर है. विश्व में मछली से बने आइटम का १९० बिलियन डॉलर का कारोबार है. इसमें भारत की हिस्सेदारी आठ बिलियन डॉलर की है. लेकिन साल २०३० तक हम इसे दोगुना कर लेंगे. हमारा निशाना २० फीसद की हिस्सेदारी हासिल करने पर है. भारतीय समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीडा) ने इसके लिए प्लान तैयार कर उस पर काम भी शुरू कर दिया है. सामने चीन, वियतनाम और थाईलैंड जैसे देशों की चुनौती है, लेकिन हम २० फीसद के टॉरगेट को हासिल कर लेंगे. इसके लिए

प्रोसेसिंग के काम में लगी लेबर को विदेशी एक्सपोर्ट से क्वालिटी के आइटम तैयार करने की ट्रेनिंग दिलाई जा रही है. फिशरीज सेक्टर को "सनराइज सेक्टर" भी कहा जाता है. एक्सपोर्ट के मुताबिक फिशरीज न्यूट्रीशन सिक्योरिटी, हेल्दी और सस्ता प्रोटीन देने वाला सेक्टर है. इतना ही नहीं ये सेक्टर तीन करोड़ से ज्यादा लोगों को सीधे रोजगार भी देता है. यही वजह है कि आज हमारा देश फिशरीज सेक्टर में मछली उत्पादन करने वालों में दूसरे स्थान पर आ गया है. विश्व के कुल मछली उत्पादन का ८ फीसद उत्पादन हमारे देश में हो रहा है. वहीं भारत सबसे बड़ा एक्वाकल्चर उत्पादक भी है. अगर स्रोत की बात करें तो हमारे देश में ११ हजार किमी से ज्यादा का कोस्टल एरिया है. मछली उत्पादन को बढ़ाने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, मार्केट एक्सेस, टेक्नोलॉजी अपनाने, ट्रेसिबिलिटी और जलवायु-लचीली मत्स्य पालन प्रणालियों पर फोकस किया जा रहा है. इसी के तहत सरकार ने गहरे समुद्र में मछली पकड़ने, कोल्ड चेन इंटीग्रेशन, प्रोसेसिंग एक्सपोर्ट, आइस ब्रॉट, कोल्ड स्टोरेज और वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट यूनिट्स को लिस्ट में शामिल किया है. साथ ही आधुनिक लैंडिंग और फसल कटाई के बाद का इंफ्रास्ट्रक्चर, नदी रैपिंग और हिमालयी और पूर्वोत्तर राज्यों में ट्राउट फार्मिंग और हैचरी नेटवर्क के माध्यम से ठंडे पानी की मत्स्य पालन को बढ़ावा देना शामिल है. सरकार ने गहरे समुद्र में मछली पकड़ने, कोल्ड चेन इंटीग्रेशन, प्रोसेसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, आइस ब्रॉट, कोल्ड स्टोरेज और वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट यूनिट्स का इस्तेमाल करते हुए वित्त वर्ष २०२५-२६ तक राष्ट्रीय मछली उत्पादन को २२० लाख टन तक बढ़ाने का एक

लक्ष्य रखा है. विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) से जुड़ी चर्चा पूरी तरह अंडमान-निकोबार और लक्षदीप क्षेत्र की मत्स्य संपदा के टिकाऊ दोहन से जुड़ी है. हाल ही में मत्स्य विभाग ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को टूना क्लस्टर घोषित किया है. यहां करीब ६ लाख वर्ग किलोमीटर का ईईजेड है. बजट में इस चर्चा के बाद फिश एक्सपोर्ट को लेकर कई उम्मीदें लगाई जा रही हैं. महंगी मछलियों में शामिल टूना के भंडार को देखते हुए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को टूना क्लस्टर घोषित किया है. इसका फायदा कोस्टल एरिया में रहने वाले मछुआरों को मिलेगा. इंटरनेशनल फिश मार्केट में भी टूना मछली की बहुत डिमांड है. इसके चलते खासतौर पर एशियाई देशों में एक मजबूत फिश मार्केट मिलेगा. ये इलाका खासतौर से टूना और टूना जैसी हाई वैल्यू वाली प्रजातियों से भरा हुआ है. एक अनुमान के मुताबिक यहां करीब ६० हजार मीट्रिक टन टूना मछली है. यहां से दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की नजदीकी समुद्री और हवाई कारोबार के मौकों को मजबूत बनाती है. केसीसी ने दिया ब्रूस्टअप मछली पालन के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) जिसे २०१८-१९ में पेश किया गया था, अल्कालिक परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सबसे आवश्यकताओं के रूप में उभरा है. जून २०२५ तक ४.७६ लाख KCC जारी किए जा चुके हैं, जिसमें ३२१४ करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं. PM-MKSSY कंपोनेंट १A के तहत, डॉक्समेंटेशन और प्रोसेसिंग खर्चों को पूरा करने के लिए उधार लेने वालों को "सक्सेस फीस" के तौर पर ५ हजार रुपये तक का एक बार का पोस्ट-डिस्बर्मेंट इंस्टीटिव भी दिया जाता है.

जोड़ों की लचीलेपन के लिए भुजंगासन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में गठिया (Arthritis) एक आम समस्या बनती जा रही है। कुछ वर्षों पहले हड्डियों से जुड़े रोग ज्यादातर बढ़ती उम्र के लोगों में देखने को मिलते थे, लेकिन अब यह रोग कम उम्र के लोगों को भी होने लगे हैं। दरअसल, जीवनशैली और खानपान में आए बदलाव इसकी वजह हो सकते हैं। अर्थराइटिस रोग का इलाज लंबे समय तक चलता है, ऐसे में कई बार व्यक्ति को दवाओं के साथ ही नियमित एक्सरसाइज और योगासन करने की सलाह दी जाती है। दरअसल, योगासन के जरिए मरीज के जोड़ों में बनती सूजन और अकड़न को धीरे-धीरे सपोर्ट दिया जाता है। ताकि व्यक्ति के जोड़ों का मूवमेंट पूरी तरह से बंद न हो। ऐसे में भुजंगासन, ताड़ासन आदि का अभ्यास फायदेमंद हो सकता है।

योग से अर्थराइटिस के लक्षणों को कैसे कम किया जा सकता है ?

योग केवल शरीर को स्ट्रेच करने तक सीमित नहीं है। यह मांसपेशियों को मजबूत बनाने, जोड़ों की गतिशीलता बढ़ाने और शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करने में भी मदद करता है। गठिया में अक्सर जोड़ों के आसपास की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, जिससे दर्द और बढ़ जाता है।

योग अर्थराइटिस रोगियों में दर्द, जकड़न और शारीरिक कार्यक्षमता में सुधार ला सकता है। योग तनाव हार्मोन को कम करके मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है, जो क्रॉनिक दर्द को मैनेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जोड़ों की लचीलेपन के लिए भुजंगासन
भुजंगासन (Cobra Pose) रीढ़, कंधों

और छाती को स्ट्रेच करने वाला प्रभावी योगासन है। यह शरीर के ऊपरी हिस्से में लचीलापन बढ़ाने में मदद करता है। भुजंगासन पीठ और गर्दन की अकड़न को



कम करने में मदद कर सकता है। यह स्पाइन में लचीलापन बढ़ाता है और शरीर के पोश्चर में सुधार करता है। जिन लोगों को बैठने में परेशानी होती है उनको इस आसन से फायदा मिलता है। नियमित स्ट्रेचिंग और स्पाइनल मोबिलिटी एक्सरसाइज दर्द और कार्यक्षमता में सुधार ला सकती हैं।

गठिया में ताड़ासन के फायदे

ताड़ासन (Mountain Pose) देखने में सरल लग सकता है, लेकिन यह शरीर के संतुलन और पोश्चर को सुधारने वाला महत्वपूर्ण योगासन है। गठिया के कारण कई लोगों में संतुलन की समस्या बढ़ सकती है,

जिससे गिरने का खतरा रहता है। ताड़ासन शरीर की स्थिरता बढ़ाता है और पैरों की मांसपेशियों को सक्रिय करता है। यह घुटनों और टखनों पर नियंत्रण विकसित करने में

मदद कर सकता है। योग आधारित बैलेंस ट्रेनिंग से बुजुर्गों में संतुलन और शारीरिक कार्यक्षमता में सुधार देखा गया।

जोड़ों के लिए त्रिकोणासन

त्रिकोणासन (Triangle Pose) शरीर के कई जोड़ों को सक्रिय करने वाला योगासन है। यह कूल्हों, घुटनों, टखनों और रीढ़ की गतिशीलता बढ़ाने में मदद करता है। त्रिकोणासन जोड़ों को धीरे-धीरे मूवमेंट देता है, जिससे उनकी कार्यक्षमता बेहतर हो सकती है। यह शरीर की फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ाने में भी सहायक है। हल्के स्ट्रेचिंग और मोबिलिटी एक्सरसाइज जोड़ों की

कार्यक्षमता बनाए रखने में मदद करती हैं और दर्द कम कर सकती हैं।

मसल्स की स्ट्रेच के लिए सेतु बंधासन

सेतु बंधासन (Bridge Pose) शरीर के निचले हिस्से की मांसपेशियों को मजबूत करने वाला प्रभावी योगासन है। गठिया में मांसपेशियों की कमजोरी जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती है। सेतु बंधासन ग्लूट्स, हैमस्ट्रिंग्स और पीठ की मांसपेशियों को मजबूत करता है, जिससे जोड़ों को बेहतर सपोर्ट मिलता है। मांसपेशियों को मजबूत करने वाले व्यायाम घुटनों के Osteoarthritis रोगियों में दर्द और शारीरिक कार्यक्षमता को बेहतर बना सकते हैं।

ध्यान रखें

- योग शुरू करने से पहले डॉक्टर की सलाह लें।
 - दर्द होने पर किसी भी आसन को जबरदस्ती न करें।
 - शुरुआत में प्रशिक्षित योग विशेषज्ञ की निगरानी में अभ्यास करें।
 - वार्म-अप जरूर करें।
 - धीरे-धीरे कठिन आसनों की ओर बढ़ें।
 - सूजन या दर्द बढ़ने पर अभ्यास रोक दें।
- गठिया का दर्द और अकड़न दैनिक जीवन को प्रभावित कर सकते हैं, लेकिन सही योगाभ्यास इसको मैनेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भुजंगासन, ताड़ासन, त्रिकोणासन और सेतु बंधासन जैसे योगासन शरीर की लचीलापन, संतुलन और मांसपेशियों की ताकत बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

पुरानी चूड़ियों से बनाएं ट्रेडिशनल झालर का पर्दा

रंग-बिरंगी चूड़ियां अक्सर एक-दो बार पहनने के बाद अलमारी के किसी कोने में पड़ी रह जाती हैं। इन्हें फेंकने या थूं ही रखे रहने देने के बजाय, आप इनसे घर की सजावट का एक शानदार सामान तैयार कर सकते हैं। जिसकी जानकारी दीप ज्योति के यूट्यूब चैनल से मिली है।

दरअसल मोतियों और इन पुरानी कांच की चूड़ियों का इस्तेमाल करके घर के दरवाजों या हॉल के लिए एक यूनिक झालरदार पर्दा बना सकते हैं। वेस्ट मटेरियल से बेस्ट क्रिएशन का यह न सिर्फ एक इको-फ्रेंडली तरीका है, बल्कि इससे आपके घर को बिना किसी अतिरिक्त खर्च के एक पारंपरिक और स्टाइलिश लुक भी मिलेगा।

जरूरी सामग्री : पुरानी कांच या प्लास्टिक की चूड़ियां, पीले, हरे और काले रंग का ऊन, सुनहरे और सफेद मोती, मजबूत काला धागा या डोरी, हॉट ग्लू गन और कैंची, लटकाने के लिए एक पर्दा रॉड या पाइप

चूड़ियों पर ऊन लपेटकर रिंग्स तैयार करें

पुरानी चूड़ियों से सजावटी सामान बनाने के लिए सबसे चूड़ियों को लें और उनके चारों तरफ ऊन को कसकर लपेटना शुरू करें। एक चूड़ी पर पीले रंग का ऊन और दूसरी पर हरे रंग का ऊन लपेटें। ऊन के सिरों को सुरक्षित करने के लिए हॉट ग्लू गन की मदद से चिपका दें। इसी तरह कई सारी

पीली और हरी रंग-बिरंगी ऊन से ढकी हुई चूड़ी रिंग्स तैयार कर लें।

काले धागे में मोतियों की लड़ी पिरोंएं

अब एक लंबा काला धागा लें। हॉट ग्लू से धागे के सिरों को एक तैयार रिंग से जोड़ें। इसके बाद धागे में ४-५ सुनहरे मोती, १ सफेद मोती और फिर ४-५ सुनहरे मोती पिरोंएं। इसके बाद दूसरी रिंग को धागे से जोड़ें। इसी पैटर्न को दोहराते हुए एक लंबी लड़ी तैयार कर लें।



9० मिनट में बन जाएगा 'टमाटर चारू' स्वाद और सेहत का है कॉम्बिनेशन

अगर आप भारी या मसालेदार खाना खाने के बाद कुछ हल्का, सुपाच्य और स्वादिष्ट तलाश रहे हैं, तो दक्षिण भारतीय स्टाइल 'टमाटर चारू' या टमाटर रसम सबसे बढ़िया ऑप्शन है। यह स्वाद में चटपटी और खट्टी-तीखी स्वाद के साथ-साथ पचने में बेहद आसान होती है।

इसे आप गरमा-गरम सूप की तरह पी सकते हैं या फिर उबले हुए चावल के साथ मिलाकर इसका आनंद ले सकते हैं। इस पारंपरिक रेसिपी को घर पर बनाना बेहद आसान है।

जरूरी सामग्री : ३-४ पके हुए लाल टमाटर, थोड़ी सी इमली, स्वादानुसार नमक, हल्दी पाउडर और लाल मिर्च पाउडर, हरी मिर्च और हरा धनिया (बारीक कटा हुआ), तेल, कुचली हुई लहसुन की कलिया, राई, जीरा, सूखी लाल मिर्च और ताजा कढ़ी पत्ता

टमाटर और इमली का पेस्ट बनाएं

सबसे पहले टमाटरों को धोकर बड़े टुकड़ों में काट लें। अब एक मिक्सी के जार में कटे हुए टमाटर और थोड़ी सी इमली डालकर इसका स्मूथ प्यूरी या पेस्ट बना लें। आप चाहें तो टमाटर उबालकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन मिक्सी में पीसने से यह तुरंत और आसानी से तैयार हो जाता है।

तैयार टमाटर की प्यूरी को एक बड़े बर्तन में जालीदार छत्री की मदद से छान लें, ताकि टमाटर के छिलके और बीज अलग हो जाएं। अब इसमें रसम की पतली कंसिस्टेंसी के हिसाब से पर्याप्त मात्रा में पानी मिलाएं। रसम हमेशा पतली और सूप जैसी बनाई जाती है।

मसाले डालकर रसम को उबालें

छानकर तैयार किए गए टमाटर के पानी में स्वादानुसार नमक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, कटी हुई हरी मिर्च और ढेर सारा ताजा हरा धनिया डालें। अब बर्तन को गैस पर रखें और तेज आंच पर उबाल आने दें। एक उबाल आने के बाद इसे मध्यम आंच पर ४-५ मिनट के लिए उबलने दें ताकि मसालों और टमाटर का स्वाद अच्छी तरह मिल जाए।

लहसुन और कढ़ी पत्ते का तड़का लगाएं

एक अलग तड़का घेन में थोड़ा सा तेल गर्म करें। इसमें ढेर सारी कुचली हुई लहसुन, राई, जीरा, सूखी लाल मिर्च और ताज़ा कढ़ी पत्ता डालें। जब मसाले तड़क जाएं और लहसुन हल्की सुनहरी हो जाए, तो इस तड़के को उबलते हुए रसम के ऊपर डालें और तुरंत ढक दें ताकि तड़के की खुशबू रसम में ही समा जाए।

डिस्क्लेमर : यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

पेट की चर्बी बनी टेंशन, करें माउटेन क्लाइम्बर्स और ये ४ एक्सरससाइज

“बेली फैट” को आमतौर पर कॉस्मेटिक प्रॉब्लम मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन, जब बात किसी खास दोस्त या फैमिली फंक्शन में जाने की आती है तो ऐसे में सबसे पहले पेट की चर्बी को ही कम करने पर ध्यान जाता है। क्योंकि फंक्शन के शानदार चमकीले कपड़ों से बाहर आता पेट आपके लुक को खराब कर देता है। ऐसे में डॉक्टर कहते हैं कि नियमित दिनचर्या में ज्यादातर लोग पेट की चर्बी या मोटापे को अनदेखा कर देते हैं। लेकिन, यह मोटापा दिल की बीमारी, टाइप 2 डायबिटीज, फैटी लिवर की बीमारी और कई मेटाबोलिक डिसऑर्डर का रिस्क बढ़ा सकता है। हालांकि, मोटापे को कम करने के लिए डेली लाइफ रूटीन बदलने के साथ ही खानपान में भी बदलाव की सलाह दी जाती है। लेकिन, आप कुछ एक्सरसाइज से भी अपने वजन और मोटापे को काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं।

पेट की चर्बी को तेजी से कम करने वाली एक्सरसाइज

तेज चलना : तेज चलना एक ऐसी एक्सरसाइज है जिसे अक्सर भुला दिया जाता है, लेकिन वजन और चर्बी को कम करने के लिए यह सबसे सुरक्षित और सबसे टिकाऊ एक्सरसाइज में से एक है। जब आप तेज चलते हैं तो आपकी सांस और हार्ट रेट थोड़ी बढ़ जाती है, ऐसे में आपका शरीर बड़े मसल ग्रुप का इस्तेमाल करता है और अपने सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है। यह फैट के इस्तेमाल को बढ़ावा देता है, और यह सब आपके जोड़ों पर अधिक दबाव डाले बिना होता है।

तेज चलना कई महीनों और सालों तक लगातार किया जा सकता है और इसलिए यह लंबे समय तक वजन कंट्रोल करने के लिए यह बहुत असरदार है। पौष्टिक खाने के साथ हर दिन 30-45 मिनट की वॉक दिल की सेहत और स्थिर ग्लूकोज लेवल में बहुत बड़ा योगदान दे सकती है।

हाई नीज : हाई नीज एक आसान लेकिन बहुत असरदार कार्डियोवैस्कुलर वर्कआउट है जो आपके हार्ट रेट को तेज कर देगा और आपके एब्स, हिप फ्लेक्सर्स और शरीर के निचले हिस्से की मसल्स को मजबूत करने में सहायक होता है। अगर इसे



मीडियम-हाई इंटेंसिटी के साथ किया जाए, तो हाई नीज काफी कम समय में बहुत सारी कैलोरी बर्न करने का एक असरदार तरीका हो सकता है।

माउंटेन क्लाइम्बर्स : माउंटेन क्लाइंबिंग में स्ट्रेथ ट्रेनिंग और कार्डियोवैस्कुलर एक्सरसाइज के फायदे मिलते हैं। वे कंधों, हाथों और पैरों पर काम करते हैं, लेकिन पूरे मूवमेंट के दौरान शरीर की स्थिरता बनाए रखने के लिए कोर को लगातार एक्टिवेट करने की भी जरूरत होती है।

मेडिकल नजरिए से, माउंटेन क्लाइंबर जैसी कंपाउंड एक्सरसाइज कुल मिलाकर अधिक कैलोरी बर्न करती हैं क्योंकि वे एक ही समय में कई मसल ग्रुप को शामिल करती हैं। यह आपको सिर्फ पेट की एक्सरसाइज करने की तुलना में ज्यादा कैलोरी बर्न करने में मदद करेगी।

बर्पीज : बर्पीज सबसे मुश्किल फुल-बॉडी एक्सरसाइज में से हैं। वे स्क्वैट्स, प्लैंक्स, पुश-अप्स और जंप्स को एक ही तरह से मिलाते हैं। इस एक्सरसाइज में आपके दिल तेज धड़ता है और शरीर के ऊपरी और निचले हिस्से की मसल्स पर काम होता है, इसलिए यह कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस के लिए सच में अच्छी मानी जाती है।

बर्पीज बहुत तेज होते हैं, जिसका मतलब है कि इस एक्सरसाइज के दौरान और बाद में ऑक्सीजन की खपत बढ़ जाती है। लेकिन कालिटी हमेशा कालिटि से ज्यादा जरूरी होनी चाहिए। अगर आपको जॉड़ो की समस्या, मोटापा या दिल की समस्या है, तो हाई-इम्पैक्ट एक्सरसाइज करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लें।

पहली हरियाली तीज पर पति से न बिगाड़ें बात



चिड़चिड़ाहट रिश्ते की बहस न बन जाए। अगर कमजोरी या परेशानी हो रही है, तो पति से साफ कहें कि आपको आराम या उनकी मदद चाहिए। पतनर को अपनी जरूरत बताना रिश्ते को कमजोर नहीं, बल्कि ज्यादा समझदार बनाता है।

मायके से तुलना न करें

पहली तीज पर मायके की बहुत याद आ सकती है। मम्मी की तैयारी, बहन के साथ मेहंदी या घर में तीज की पुरानी यादें मन को भावुक कर सकती हैं। अपनी यादें पति के साथ शेयर करना अच्छी बात है, लेकिन ससुराल की हर चीज को मायके से तुलना करना ठीक नहीं। बार-बार ये कहना कि मेरे मायके में ऐसा होता था, यादें मेरा क्यों नहीं हो रहा, पति को भी असहज कर सकता है। पुराने रिश्तों की खूबसूरती बनाए रखते हुए नए रिश्तों को भी अपनी जगह दें।

पति को बीच में न डालें

ससुराल में किसी बात को लेकर मन खराब हो जाए तो तुरंत पति से ये उम्मीद न करें कि वो सबके सामने आपका पक्ष लें। इससे

भी अपनापन बढ़ाया जा सकता है। साथ बैठकर मेहंदी लगाना, फोटो लेना, पुरानी बातें सुनना या बस थोड़ी देर हंसी-मजाक करना रिश्ते को सहज बनाता है। पहली ही तीज पर बहुत गहरी बॉन्डिंग की उम्मीद न रखें। छोटी-छोटी बातचीत ही आगे चलकर बड़े अपनापन में बदलती है।

पति के साथ थोड़ा वक्त जरूर बिताएं

पूरे दिन परिवार और तैयारियों के बीच कभी-कभी पति-पत्नी को साथ बैठने का मौका ही नहीं मिलता। पहली तीज पर कोशिश करें कि कुछ समय सिर्फ दोनों के लिए हो। साथ में फोटो लें, पुरानी बातें करें या शादी के बाद की पहली तीज को लेकर अपनी फीलिंग्स शेयर करें। ऐसे छोटे पल रिश्ते में अपनापन बढ़ाते हैं और त्योहार की याद को भी खास बना देते हैं।

कई परिवारों में पहली तीज पर मायके से कपड़े, मिठाई, मेहंदी और श्रृंगार का सामान भेजने की परंपरा होती है। इसे सिर्फ सामान की तरह देखने के बजाय दोनों परिवारों के बीच प्यार का हिस्सा मानें। पति के साथ बैठकर मायके से आई चीजें शेयर करें और उन्हें भी उस खुशी में शामिल करें। इससे पति आपके मायके के रिश्तों को और करीब से समझ पाएंगे और आपको भी उनके परिवार के साथ अपनी जगह बनाने में आसानी होगी।

चीन की दिग्गज को हराकर जीता पहला BWF वर्ल्ड टूर खिताब

अश्मिता ने कोरिया में लहराया तिरंगा

नई दिल्ली : अश्मिता चालिहा इस साल बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने वाली चौथी भारतीय ड़ेयर हैं। पीवी सिंधु ने हाल ही में जापान ओपन में खिताबी जीत हासिल की थी, जबकि देविका सिहाग ने थाइलैंड मास्टर्स और तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन में पोंडियम फिनिश किया।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा ने कोरिया मास्टर्स २०२६ में यादगार प्रदर्शन किया। असम की २६ वर्षीय शटलर ने महिला सिंगल्स के फाइनल में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त हान कियान शी को हराकर खिताब अपने नाम किया। यह अश्मिता के करियर का पहला BWF वर्ल्ड टूर खिताब है। रविवार को साउथ कोरिया के आसान में खेले गए खिताबी मुकाबले में अश्मिता की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्हें पहला गेम गंवाना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने दबाव में शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम अपने नाम किए। भारतीय खिलाड़ी ने वर्ल्ड नंबर-३५ हान को १४-२१, २१-१४, २१-१४ से मात दी। यह मुकाबला ५३ मिनट तक चला।

फाइनल में चीनी खिलाड़ी ने शुरुआत में अश्मिता पर काफी दबाव बनाया। हान ने पहला गेम २१-१४ से जीतकर बढ़त हासिल कर ली। यहां से अश्मिता के सामने बड़ी चुनौती थी। दूसरे गेम में भारतीय शटलर ने अपने खेल में बदलाव किया और रैलियों पर



बेहतर नियंत्रण बनाया। इस बार उन्होंने हान को ज्यादा मौके नहीं दिए और २१-१४ से गेम जीतकर मुकाबला १-१ की बराबरी पर ला दिया। निर्णायक गेम में भी अश्मिता ने अपनी लय बरकरार रखी। उन्होंने दबाव में धैर्य दिखाते हुए २१-१४ से जीत दर्ज की और ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया।

अश्मिता चालिहा का खिताबी सफर आसान नहीं रहा। क्वार्टर फाइनल में उनका सामना जापान की टॉप सीड और वर्ल्ड नंबर-२२ हिना अकेची से हुआ था। तब अश्मिता ने पहला गेम गंवाने के बावजूद २०-२२, २१-१५, २१-१९ से जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में बड़ा उलटफेर किया। इसके बाद सेमीफाइनल में उनके सामने हमवतन रक्षिता रामराज की चुनौती थी। तीन गेम तक चले ऑल-इंडियन मुकाबले में अश्मिता ने २१-१३, १६-२१, २१-१३ से जीत हासिल कर फाइनल का

टिकट कटाया था।

चोट के बाद दमदार वापसी
इस खिताब को अश्मिता की हालिया फिटनेस चुनौतियां और खास बनाती हैं। दाएं घुटने में टियर के कारण उन्हें करीब तीन महीने तक बैडमिंटन कोर्ट से दूर रहना पड़ा था। अश्मिता ने मई में कोर्ट पर वापसी की थी और कुछ ही महीनों के अंदर BWF टूर खिताब जीत लिया। चोट के बाद वापसी करते हुए कोरिया मास्टर्स Super ३०० जैसे टूर्नामेंट में चैम्पियन बनना उनके करियर की बड़ी उपलब्धियों में शामिल हो गया है। अश्मिता चालिहा ने पूरे टूर्नामेंट में मुश्किल परिस्थितियों से वापसी करने की क्षमता दिखाई। क्वार्टर फाइनल और फाइनल दोनों में पहला गेम गंवाने के बाद उन्होंने मुकाबला पलटा। चीन की चौथी वरीय खिलाड़ी को हराकर अश्मिता ने अपने करियर में एक नया अध्याय जोड़ दिया है।

हार्दिक पंड्या के ट्रेड पर बड़ा द्विस्ट

मुंबई : आईपीएल २०२६ के बाद से हार्दिक पंड्या के भविष्य को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच हार्दिक पंड्या के ट्रेड को लेकर बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है। हालांकि अब दोनों फ्रेंचाइजियों ने इन खबरों पर अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। 'क्रिकबज' के मुताबिक- चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन ने साफ कहा कि फिलहाल हार्दिक पंड्या को लेकर किसी तरह का प्रपोजल उनकी टेबल पर नहीं है। उन्होंने कहा कि टीम अभी सीजन का रिव्यू पूरा नहीं कर पाई है क्योंकि मेजबानी लीग क्रिकेट जारी है। रिव्यू खत्म होने के बाद ही यह तय किया जाएगा कि ट्रेड विडो में किन खिलाड़ियों को लेकर चर्चा करनी है। उधर मुंबई इंडियंस ने भी ट्रेड की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि फ्रेंचाइजी इस समय

किसी खिलाड़ी के ट्रेड पर बातचीत नहीं कर रही है। टीम का पोस्ट-सीजन रिव्यू अभी शुरू हुआ है और उसके पूरा होने के बाद ही किसी खिलाड़ी के भविष्य पर फैसला लिया जाएगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सालाना आम बैठक के बाद मुंबई इंडियंस ने अपने पूरे सीजन का रिव्यू शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि इस बार रिव्यू पहले के मुकाबले ज्यादा व्यापक और विस्तृत होगा। टीम मैनेजमेंट सिर्फ खिलाड़ियों के प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि पूरे स्पोर्ट्स स्टाफ और कोचिंग सेटअप का भी आकलन कर रहा है। मुंबई इंडियंस के प्रवक्ता ने कहा कि पोस्ट-सीजन रिव्यू के दौरान टीम से जुड़े हर पहलू पर विचार किया जाएगा। अलग-अलग ऑप्शन और प्लानग का मूल्यांकन होगा और उसके बाद ही खिलाड़ियों को लेकर कोई फैसला होगा।

स्टेडियम में मिलेगी फ्री एंट्री टेस्ट मैच का क्रेज बढ़ाने के लिए श्रीलंका का बड़ा दांव

कोलंबो : शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए कमर कस चुकी है। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज जीतकर भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप २०२५-२७ में शानदार वापसी करना चाहेगी। वहीं श्रीलंकाई टीम घरेलू परिस्थितियों और अपनी स्पिन बॉलिंग आक्रमण का फायदा उठाने के लिए तत्पर है। भारत और श्रीलंका के बीच १५ अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज को लेकर अच्छी खबर है। श्रीलंका क्रिकेट (SLC) ने गॉल और कोलंबो में खेले जाने वाले दोनों मुकाबलों में दर्शकों की एंट्री फ्री करने का फैसला किया है। यानी क्रिकेट फैन्स को शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम इंडिया और मेजबान श्रीलंका के बीच मुकाबला देखने के लिए टिकट खरीदने की जरूरत नहीं होगी।

श्रीलंका क्रिकेट ने शुक्रवार को इसकी घोषणा करते हुए क्रिकेट फैन्स, परिवारों और युवा खिलाड़ियों से स्टेडियम पहुंचने की अपील की। बोर्ड इस पहल के जरिए टेस्ट क्रिकेट को ज्यादा दर्शकों तक पहुंचाना चाहता है। SLC ने अपने बयान में कहा, 'श्रीलंका क्रिकेट यह घोषणा करता है कि भारत और श्रीलंका के बीच आगामी टेस्ट सीरीज में दर्शकों का प्रवेश मुफ्त होगा। इससे क्रिकेट फैन्स को विश्वस्तरीय टेस्ट क्रिकेट देखने का शानदार मौका मिलेगा.'

बोर्ड ने खास तौर पर युवा क्रिकेटरों को मैदान पर पहुंचने के लिए प्रोत्साहित किया है। उनके पास इंटरनेशनल स्तर के खिलाड़ियों को सामने से देखकर खेल की बारीकियां समझने का मौका होगा। सीरीज की शुरुआत १५ अगस्त को गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में होगी। इसके बाद दोनों टीमों कोलंबो जाएंगी, जहां सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में २३ से २७ अगस्त के दौरान दूसरा मुकाबला होगा। दोनों मैच ICC वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप २०२५-२७ का हिस्सा है। इसलिए सीरीज का नतीजा केवल ट्रॉफी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि WTC टेबल पर भी असर डालेगा।

टेस्ट मैचों को लेकर कम हो रहा क्रेज एसएलसी की इस पहल के पीछे एक अहम वजह स्टेडियम में दर्शकों की संख्या बढ़ाना भी है। हाल के वर्षों में उपमहाद्वीप में टेस्ट मुकाबलों के दौरान अक्सर खाली सीटें देखने को मिली हैं। श्रीलंका भी इस समस्या से अछूता नहीं रहा है। इस साल भारत और अफगानिस्तान के बीच मुछ्रांप्र में हुए एकमात्र टेस्ट के दौरान भी दर्शकों की संख्या बहुत ज्यादा नहीं थी।

भारत में कोलकाता, चेन्नई, मुंबई और बेंगलुरु जैसे पारंपरिक टेस्ट केंद्रों को छोड़ दें तो रेड बॉल क्रिकेट के लिए बड़ी भीड़ जुटाना कई जगह चुनौती बना हुआ है। ऐसे में एसएलसी ने टिकट की बाधा हटाकर अधिक लोगों को मैदान तक लाने की कोशिश की है। भारत जैसी लोकप्रिय टीम के खिलाफ सीरीज होने से इस पहल को अच्छा रिसर्पोन्स मिलने की उम्मीद होगी।

FIFA वर्ल्ड कप की सुरक्षा की खुली पोल

नई दिल्ली : फीफा वर्ल्ड कप २०२६ के दौरान दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉल

सितारों की सुरक्षा को लेकर सामने आई जानकारी ने सनसनी मचा दी है। स्पेनिश आउटलेट Informacion.es की रिपोर्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट के दौरान लथिनेल मेसी (Lionel Messi) समेत कई खिलाड़ियों, अधिकारियों और रेफरी को गंभीर धमकियां मिली थीं। इनमें बम हमले की धमकी, खिलाड़ियों की निगरानी और हजारों धमकी भरे मैसेज शामिल थे।

पुलिस डोजियर के मुताबिक, मेसी उन फुटबॉलरों में सबसे ज्यादा निशाने पर थे, जिन्हें वर्ल्ड कप के दौरान धमकियां मिलीं। अमेरिका और टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले देशों की सुरक्षा एजेंसियां इन अलर्ट पर लगातार नजर रख रही थीं। इसके लिए FBI की निगरानी में एक इंटरनेशनल नेटवर्क के जरिए आतंकवाद से जुड़े अलर्ट, हिंसक धमकियों और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी साझा की जा रही थी।

रिपोर्ट के मुताबिक मेसी को लेकर सबसे गंभीर घटनाओं में से एक डलास में सामने आई। यहां अर्जेंटीना का मुकाबला जॉर्डन से था। मैच से पहले एक शख्स ने डलास एयरपोर्ट से संपर्क कर दावा किया कि वह दो अन्य लोगों के साथ स्टेडियम की ओर जा रहा है।

उस व्यक्ति ने कथित तौर पर दावा किया कि उनके पास 'होममेड बम' और एक AR-१५ राइफल है, धमकी में पुलिस अधिकारियों और दोनों टीमों के खिलाड़ियों को निशाना बनाने की बात कही गई थी। इस दौरान मेसी का नाम भी विशेष तौर पर लिया गया.इस धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियों के लिए मामला बेहद गंभीर हो गया, क्योंकि मेसी टूर्नामेंट के

मेसी को बम से उड़ाने की मिली थी धमकी

सबसे बड़े आकर्षणों में शामिल थे. पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां खिलाड़ियों के साथ-साथ स्टेडियम और आसपास के इलाकों को लेकर भी अलर्ट पर थीं.

अर्जेंटीना-इजपिट मैच से पहले भी मेसी को धमकी मेसी को लेकर एक और गंभीर धमकी अर्जेंटीना के इजपिट (मिश्र) के खिलाफ मैच से पहले सामने आई. यह मुकाबला अटलांटा में खेला जाना था. रिपोर्ट के मुताबिक- एकस पर एक यूजर ने कथित तौर पर धमकी दी कि वह स्टेडियम में घुसेगा और मेसी पर विस्फोटकों से हमला करेगा.

दावे के मुताबिक, उस व्यक्ति ने अपने शरीर पर चार बम बांधकर स्टेडियम में प्रवेश करने की बात कही थी. इस धमकी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और बढ़ा दी. इतना ही नहीं, अटलांटा में मैच के दौरान पुलिस को एक और कॉल मिली. इसमें दावा किया गया कि स्टेडियम के अंदर अलग-अलग कूड़ेदानों में तीन बम रखे गए हैं. इसके बाद स्टेडियम की तलाशी के लिए एक्सप्लोसिव एक्सपर्ट, प्रशिक्षित कुत्तों और K-९ टीमों को तैनात किया गया.

सुरक्षा टीमों ने पूरे वेन्यू को खंगाला और किसी भी संभावित विस्फोटक खतरे को लेकर जांच की. इन घटनाओं ने दिखाया कि वर्ल्ड कप जैसे बड़े आयोजन में खिलाड़ियों और दर्शकों की सुरक्षा कितनी बड़ी चुनौती बन गई थी.

मेसी ही नहीं, रोनाल्डो भी थे निशाने पर पुलिस डोजियर में सिर्फ मेसी को मिली धमकियों का ही जिक्र नहीं था. बल्कि

मेसी को बम से उड़ाने की मिली थी धमकी



क्रिस्टियानो रोनाल्डो को भी टूर्नामेंट के दौरान निशाना बनाए जाने की जानकारी सामने आई.

रिपोर्ट के मुताबिक, १४ जून को एक FIFA कर्मचारी ने अलर्ट जारी किया. उसने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोनाल्डो के ठहरने की जगह के बारे में जानकारी जुटाते हुए देखा था. मामला सामने आने के बाद ह्यूस्टन पुलिस को इसकी जानकारी दी गई. इसके बाद पुलिस ने १६ जून को रोनाल्डो के होटल से उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया. वह उस समय उसी होटल में मौजूद था, जहां पुर्तगाल की टीम ठहरी हुई थी.

इस घटना के बाद खिलाड़ियों के होटल और उनके ठहरने की जगहों की सुरक्षा को लेकर भी विशेष सतर्कता बरती गई. सुरक्षा एजेंसियां इस बात पर नजर रख रही थीं कि कोई संदिग्ध व्यक्ति खिलाड़ियों, उनके परिवारों या टीमों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी हासिल करने

मेसी को बम से उड़ाने की मिली थी धमकी



की कोशिश तो नहीं कर रहा.

रेफरी को मिले ६ हजार से ज्यादा धमकी भरे मैसेज वर्ल्ड कप के दौरान सुरक्षा का खतरा सिर्फ खिलाड़ियों तक सीमित नहीं था. मैच अधिकारियों और रेफरी को भी भारी संख्या में धमकियां मिलीं. फ्रेंच रेफरी फ्रॉन्स्वा लेटेक्सियर (Franois Letexier) को कथित तौर पर ६,००० से ज्यादा WhatsApp धमकियां दी गईं. इसके बाद पुलिस ने १६ जून को रोनाल्डो के होटल से उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया. वह उस समय उसी होटल में मौजूद था, जहां पुर्तगाल की टीम ठहरी हुई थी.

इस घटना के बाद खिलाड़ियों के होटल और उनके ठहरने की जगहों की सुरक्षा को लेकर भी विशेष सतर्कता बरती गई. सुरक्षा एजेंसियां इस बात पर नजर रख रही थीं कि कोई संदिग्ध व्यक्ति खिलाड़ियों, उनके परिवारों या टीमों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी हासिल करने

FBI की निगरानी में चला बड़ा सुरक्षा ऑपरेशन रिपोर्ट के मुताबिक, २०२६ FIFA World Cup के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सिर्फ अमेरिकी एजेंसियों तक सीमित नहीं थी. फेडरल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन और सेंटर फॉर इंटरनेशनल पुलिस कॉपोरेशन की मदद से इंटरनेशनल लेवल पर सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस बलों के बीच कोर्डिनेशन किया गया.

टूर्नामेंट में शामिल देशों की एजेंसियां आतंकवाद से जुड़े अलर्ट, हिंसक धमकियों और संदिग्ध गतिविधियों से जुड़ी जानकारीयां साझा कर रही थीं. खिलाड़ियों, उनके परिवारों, टीम होटलों और मैच वेन्यू से जुड़े संभावित खतरों की निगरानी की जा रही थी.

मेसी की लोकप्रियता और टूर्नामेंट में उनकी मौजूदगी ने उन्हें सुरक्षा के लिहाज से खास तौर पर संवेदनशील बना दिया था. पुलिस डोजियर में उन्हें सबसे ज्यादा धमकियां पाने वाला फुटबॉलर बताया गया. वहीं रोनाल्डो को लेकर सामने आई होटल वाली घटना और रेफरी लेटेक्सियर को मिले हजारों धमकी भरे मैसेज ने भी सुरक्षा एजेंसियों के सामने बड़ी चुनौती पेश की.

वर्ल्ड कप दुनिया का सबसे बड़ा फुटबॉल आयोजन है और इसमें करोड़ों फैन्स की नजरें होती हैं. ऐसे में मेसी और रोनाल्डो जैसे वर्ल्ड लेवल के खिलाड़ियों की मौजूदगी ने सुरक्षा व्यवस्था पर दबाव और बढ़ा दिया. सामने आई रिपोर्ट बताती है कि टूर्नामेंट के दौरान सुरक्षा एजेंसियों को सिर्फ मैदान पर होने वाली गतिविधियों ही नहीं, बल्कि ऑनलाइन धमकियों, संदिग्ध गतिविधियों और संभावित आतंकी खतरों पर भी लगातार नजर रखनी पड़ी.

